वर्ष 24, अंक 195, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 23 जनवरी 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

जम्मू-कश्मीर में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरा सेना का ट्रक,

10 जवान शहीद; 10 जख़्मी

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. दुर्गम पहाड़ी इलाके में सेना का बुलेटप्रूफ वाहन संतुलन खो बैठा और करीब 400 फीट गहरी खाई में जा गिरा. इस दर्दनाक हादसे में भारतीय सेना के 10 वीर जवान बलिदान हो गएजबकि 10 अन्य गंभीर रूप से जख़्मी हो गए. यह हादसा डोडा जिले के भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ. जानकारी के मुताबिक, सेना की एक टुकड़ी गुरुवार सुबह ऑपरेशनल ड्यूटी के लिए रवाना हुई थी. वाहन में कुल 20 जवान सवार थे. पहाड़ी रास्ता बेहद संकरा, ऊबड़-खाबड़ और तीव्र मोड़ों से भरा हुआ है. इसी दौरान खन्नी टॉप के पास अचानक ड्राइवर का नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी गहरी खाई में जा समाई. हादसे की सूचना मिलते ही सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया. कड़ी मशक्कत के बाद जवानों को खाई से बाहर निकाला गया.

उमर अब्दुल्ला ने जताया दुख

जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को डोडा जिले में हुए उस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त किया, जिसमें 10 सेना के जवान शहीद हो गए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक पोस्ट में बताया कि बचाव और राहत कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की पोस्ट में लिखा था, मुख्यमंत्री ने भदरवाह-चंबा मार्ग पर खानीटॉप में सेना के वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शहीद हुए जवानों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए त्वरित बचाव और राहत कार्यों की सराहना की। डोडा में एक सड़क दुर्घटना में 10 सेना के जवान शहीद हो गए, जबकि इतने ही जवान घायल हो गए। उपराज्यपाल कार्यालय के एक पोस्ट में यह लिखा डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे 10 बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से हम बेहद दुखी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मौके पर ही 10 जवानों की मौत हो चुकी थी, जबकि 10 जवान गंभीर रूप से जख़्मी मिले.
जख़्मी जवानों को पहले उप जिला अस्पताल भद्रवाह ले जाया गया, जहां फर्स्ट एड के बाद उनकी हालत नाजुक होने पर उन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शराब घोटाले से जुड़े 2 केस में केजरीवाल को बड़ी राहत, अदालत ने बरी किया

नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने आज पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाले से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन का पालन न करने के मामलों में बरी कर दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने फैसला सुनाया। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को जारी समन का पालन न करने के लिए उनके खिलाफ अदालत में याचिका दायर की थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल ने जांच में शामिल होने के लिए जारी किए गए समन का जानबूझकर पालन नहीं किया। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ समन का पालन न करने के आरोप में दो आपराधिक शिकायतें दर्ज की थीं।

'प्रोफाइलिंग मंदिरों से शुरू होनी चाहिए'

जम्मू

जम्मू और कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार (14 जनवरी) को कश्मीर में मस्जिदों की कथित प्रोफाइलिंग की कड़ी आलोचना की, इसे मुसलमानों को डराने और उन्हें धर्म से दूर रखने की कोशिश बताया. उन्होंने कहा कि मौलवियों और यहां तक कि ओवरग्राउंड वर्कर बताए जाने वाले व्यक्तियों से भी निजी और धार्मिक जानकारी भरने के लिए कहा जा रहा है।

पीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर बुरी फंसी नेहा सिंह राठौर

वाराणसी

वाराणसी पुलिस ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में 2025 में दर्ज एक मामले के सिलसिले में नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को इस घटनाक्रम की पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, यह नोटिस मामले में आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया के करीब पहुंचने के साथ उठाए जा रहे औपचारिक कदमों का हिस्सा है। राठौर की सार्वजनिक छवि और आरोपों की राजनीतिक प्रकृति के कारण यह मामला लगातार ध्यान आकर्षित कर रहा है। लंका पुलिस स्टेशन के प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में नेहा सिंह राठौर के खिलाफ 2025 में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि मामले में आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया के तहत बुधवार को उन्हें नोटिस जारी किया गया है और इस बात पर जोर दिया कि यह कार्रवाई मानक कानूनी प्रक्रिया के अनुसार की गई है।
पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि नोटिस पूरी तरह से कानून के अनुसार जारी किया गया है और यह सीधे तौर पर पिछले साल दर्ज किए गए मामले से जुड़ा है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

यूपी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी के स्पष्ट निदेशों के अनुपालन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत कार्यों में लापरवाही, अनुबंध शर्तों के उल्लंघन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन न किए जाने के मामलों में कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 के अंतर्गत एफ.डी.आर. तकनीकी से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बैच-02 में जनपद गाजीपुर में स्वीकृत पैकेज संख्या यूपी-29135, यूपी-29137, यूपी-29138, यूपी-29139 एवं यूपी-29140 के मार्गों का अनुबंध सं० 166/एसाई/आरईडी-वाराणसी/2022-23 दिनांक 18.10.2022 द्वारा मैसर्स सिंगला गुप्ता एंड सन्स, 182, आर्यन बाजार, कैंट, प्रयागराज के पक्ष में निष्पादित किया गया था। इसी प्रकार, जनपद प्रयागराज में एफ.डी.आर. तकनीकी से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बैच-02 में स्वीकृत पैकेज संख्या यूपी-03217।

खालिस्तानियों पर भड़का भारत, MEA ने दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली

भारत ने गुरुवार को क्रोएशिया के जाग्रेब स्थित अपने दूतावास में घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इस घटना के लिए भारत विरोधी तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। विदेश मंत्रालयके प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वियना कन्वेंशन के तहत राजनयिक परिसर अभेद्य हैं और उनकी रक्षा की जानी चाहिए। जयसवाल ने कहा कि इसीलिए हमने नई दिल्ली और जाग्रेब दोनों जगहों पर क्रोएशियाई अधिकारियों के साथ इस मामले को मजबूती से उठाया है और उनसे दोषियों को उनके निंदनीय और अवैध कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया है। ऐसे कृत्य इनके पीछे के लोगों के चरित्र और इरादों को भी उजागर करते हैं, और हर जगह कानून प्रवर्तन अधिकारियों को इन पर ध्यान देना चाहिए।
इससे पहले दिन में खबरें आई थीं कि जाग्रेब स्थित भारतीय दूतावास में कुछ खालिस्तानी कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी। यह घटना गणतंत्र दिवस परेड के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं के नई दिल्ली दौरे से कुछ दिन पहले हुई है।
अपने दौरे के दौरान, ईयू नेता ईयू-भारत शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रोएशिया का दौरा किया था और बाल्कन देश के शीर्ष नेताओं से बातचीत की थी। ऐसा करके वे क्रोएशिया का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। जाग्रेब पहुंचने पर उनका स्वागत उनके क्रोएशियाई समकक्ष आंद्रेज प्लेनकोविच ने किया।

सुरक्षा बलों ने चलाया निर्णायक अभियान

गणतंत्र दिवस से पहले आतंक पर करारा प्रहार

नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक मोर्चे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। सुरक्षा बलों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार किसी भी साजिश को पनपने का अवसर नहीं दिया जाएगा। जम्मू शहर से लेकर किश्तवाड़ और शोपियां तक चल रहे सघन तलाशी अभियानों ने आतंकियों की कमर तोड़ दी है और उनके मददगार तंत्र में खलबली मचा दी है।
हम आपको बता दें कि जम्मू के बाहरी इलाकों- भाटिंडी नारवाल

और राजीव नगर में पुलिस और केंद्रीय बलों ने घर घर तलाशी अभियान चलाया। गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यह कार्रवाई बेहद सख्त और सुनियोजित रही। सीमा क्षेत्रों और राजमार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा एजेंसियां साफ कर चुकी हैं कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए अब कोई नरमी नहीं है।
किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले जंगलों में हालात और भी गंभीर रहे। चतरू क्षेत्र के सोनार और मंद्रल सिंहपोरा में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के बाद सेना ने अतिरिक्त जवान तैनात किए। ऑपरेशन त्राशी एक के तहत चल रहे इस अभियान में जवानों ने दुर्गम इलाकों में भी मोर्चा संभाले रखा। रविवार से शुरू हुई मुठभेड में एक वीर पैराट्रूपर शहीद हुआ और कई जवान घायल हुए लेकिन अभियान रुका नहीं। आतंकियों द्वारा छिपकर किए गए ग्रेनेड हमले और लगातार गोलीबारी के बावजूद सुरक्षा बलों ने दबाव बनाए रखा।
मुठभेड़ स्थल के पास एक बड़ा आतंकी ठिकाना उजागर होना इस बात का प्रमाण है कि आतंकी संगठन गहरी साजिश के साथ इलाके में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि इस क्षेत्र में दो से तीन आतंकी सक्रिय हैं जिनका संबंध सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं से है।

16 साल से छोटे बच्चों के लिए बैन होगा सोशल मीडिया! ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर ये राज्य उठाने वाला है कदम

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने खुलासा किया कि सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है, जैसा कि ऑस्ट्रेलिया ने पिछले महीने लागू किया था। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दौरान ब्लूमबर्ग से बातचीत में आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि एक निश्चित आयु से कम उम्र के युवा सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली सामग्री को पूरी तरह से नहीं समझते हैं, और एक मजबूत कानूनी ढांचा समय की आवश्यकता है। लोकेश ने जोर देकर कहा एक निश्चित आयु से कम उम्र के युवाओं को ऐसे प्लेटफार्मों पर नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे उस सामग्री को पूरी तरह से नहीं समझते हैं जिसके वे संपर्क में आते हैं। इसलिए, एक मजबूत कानूनी ढांचा आवश्यक हो सकता है।

अगरतला में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे सिंधिया

नई दिल्ली/अगरतला केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 23 से 25 जनवरी 2026 तक त्रिपुरा और असम के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान सिंधिया दोनों राज्यों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, शिलान्यास कार्यक्रमों तथा क्षेत्रीय दौरे में भाग लेंगे।
अपने उक्त प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री 23 जनवरी को अगरतला पहुँचेंगे और रवीन्द्र सताबार्षिकी भवन, इंद्रनगर में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात सिंधिया अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग तथा अगरतला सरकारी डेंटल कॉलेज का भ्रमण करेंगे और तत्पश्चात वह त्रिपुरा सुंदरी शक्तिपीठ (माताबाड़ी मंदिर) में दर्शन करेंगे।
24 जनवरी को सिंधिया उत्तर त्रिपुरा जिले के कदमतला का दौरा करेंगे, जहाँ वह ?78.53 करोड़ की अगरवुड (अगर) परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही सिंधिया उनाकोटी विरासत स्थल का भी भ्रमण करेंगे।
25 जनवरी को केंद्रीय मंत्री डुम्बुर में ?276.78 करोड़ की लागत वाली माताबाड़ी पर्यटन परिपथ परियोजना का शुभारंभ करेंगे।

अमेठी से यूपी की सियासत साधेगा गांधी परिवार!

जल्द होगा बड़ा कार्यक्रम, इस नेता ने किया ऐलान

अमेठी

अमेठी से कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेठी गांधी परिवार का था है और आगे भी रहेगा. उन्होंने कहा कि अमेठी में शीघ्र ही एक बड़ा कार्यक्रम कांग्रेस द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें गांधी परिवार का कोई ना कोई सदस्य उसमें मौजूद रहेगा.
अमेठी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे शर्मा ने जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा,' गांधी परिवार अमेठी का है और अमेठी गांधी परिवार का है. गांधी परिवार हमेशा अमेठी के भले के लिए सोचता है. वह अमेठी के विकास के लिए सोचता है. '
उन्होंने कहा,'आज मैं यहां हूं तो उन्हीं के निर्देश पर यहां आया हूं. उन्होंने मुझे आपकी अमेठी की सेवा के लिए भेजा और मैं उसी जिम्मेदारी को निभा रहा हूं.'
शर्मा ने कहा कि वह जीवन भर अमेठीवासियों के कर्जदार रहेंगे जिन्होंने इस सेवक को अपना सांसद चुना हैं तथा अमेठी के विकास के लिए वह हर समय, हर संभव प्रयास करते रहेंगे.
उन्होंने कहा, ' मैं न तो कभी किसी के बारे में गलत सोचता हूं, न ही किसी से मेरा कोई विवाद है. अमेठी का विकास, अमेठी की सेवा ही मेरा लक्ष्य है.'
मुझे अमेठी से ले चलो- शर्मा से बोले राहुल गांधी
गांधी परिवार के अमेठी आने के सवाल पर शर्मा ने कहा,' राहुल गांधी ने मुझसे खुद कहा कि मुझे अमेठी ले चलो. हम लोग बहुत जल्द यहां एक बड़ा कार्यक्रम करने वाले हैं, जिसमें गांधी परिवार का कोई न कोई सदस्य मौजूद रहेगा. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी ने खुद अमेठी आने की इच्छा जाहिर की है.'

प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ हुई घटना की निंदा करते हुए शर्मा ने कहा कि एक तरफ यह लोग अपने को सनातन का ठेकेदार बताते हैं,
संतो की सरकार बताते हैं और दूसरी तरफ प्रयागराज में एक संत का जिस तरीके से अपमान हुआ, एक संत के साथ जिस तरीके का बर्ताव किया गया वह निश्चित ही बहुत निंदनीय है.
माना जा रहा है कि अमेठी में बड़े कार्यक्रम के जरिए गांधी परिवार और कांग्रेस, यूपी में वर्ष 2027 के चुनाव के लिए जनता की नब्ज टटोलेंगे।

लॉकअप में प्रेमी की आत्महत्या पुलिस हिरासत पर उठे गंभीर सवाल

अखंड भारत संदेश

उतरांव। प्रयागराज में प्रेम-प्रसंग के मामले में महाराष्ट्र के नागपुर जनपद स्थित जारी फटका थाना की पुलिस हिरासत में बंद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 21 वर्षीय नागेंद्र पुत्र रामजी निवासी मदारीपुर थाना उतराव, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है। युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है और पुलिस कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार नागेंद्र पेशे से डीजे संचालक था। करीब चार माह पूर्व वह हंडिया थाना क्षेत्र के एक गांव में आयोजित शादी समारोह में डीजे बजाने गया था, जहां उसकी पहचान एक नाबालिग लड़की से हुई। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। कुछ समय बाद लड़की अपने पिता के साथ नागपुर (महाराष्ट्र) चली गई थी।

बीते 16 जनवरी को नागेंद्र कथित तौर पर नाबालिग प्रेमिका को लेकर अपने घर मदारीपुर (प्रयागराज) आ गया। इस मामले में लड़की के पिता ने नागपुर के जारी फटका थाने में नागेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। लड़की के नाबालिग होने के चलते पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 18 जनवरी को प्रयागराज से नागेंद्र और उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार कर नागपुर ले गई। पुलिस के अनुसार दोनों को लॉकअप में रखा गया था। गुरुवार सुबह नागेंद्र ने लॉकअप में चादर का फंदा बनाकर गेट से लटककर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में मृतक के पिता रामजी ने बताया कि सुबह उन्हें फोन कर थाने बुलाया गया और कहा गया कि लड़के का चालान हो रहा है। कुछ देर बाद फिर सूचना मिली कि चालान हो गया है। इसके बाद थाने से फोन आया कि नागेंद्र ने आत्महत्या कर ली है।

जारी फटका थाना के एसआई अनंतागार मोदी ने बताया कि युवक ने चादर का फंदा बनाकर लॉकअप के गेट में फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

नागेंद्र चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। पिता मजदूरी करते हैं और परिवार में एक बहन भी है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां पुष्पा देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस कर्मियों की लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों और मुकदमा वादी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों का कहना है कि पुलिस हिरासत में, वह भी लॉकअप के अंदर, आत्महत्या होना अपने आप में गंभीर सवाल खड़ा करता है। सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर भी प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया जा रहा है कि मृतक युवक दलित समुदाय से था, जबकि लड़की ओबीसी वर्ग से संबंधित है, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच की बात कह रही है, लेकिन लॉकअप में हुई इस मौत ने पुलिस हिरासत की सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

सम्मान के लिए अड़े अविमुक्तेश्वरानंद जी के अनुयायी, मंच से गूंजी एकजुटता की आवाज

प्रयागराज। सनातन धर्म और सामाजिक मूल्यों के प्रश्न पर आचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के सम्मान को लेकर उनके अनुयायी खुलकर सामने आ गए हैं। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मंच से वक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संतों के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संत, महिलाएं और युवा मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद जी ने सदैव धर्म, गौ-रक्षा और समाजहित के मुद्दों पर निडर होकर आवाज उठाई है, ऐसे में उनके सम्मान की रक्षा करना हर अनुयायी का कर्तव्य है। मंच से यह भी संदेश दिया गया कि जब तक सम्मान सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक यह संघर्ष शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ता के साथ जारी रहेगा।

न्यूज झरोखा

पूर्व प्रधान प्रतिनिधि ने बच्चों को बांटी निःशुल्क खाद्य एवं शैक्षणिक सामग्री

कोरांव। विकास खंड कोरांव अंतर्गत ग्राम पंचायत टीकर स्थित प्राथमिक विद्यालय टीकर तथा प्राथमिक विद्यालय जयकरन का पूरा में नव वर्ष के अवसर पर बच्चों को निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व ग्राम प्रधान मालती देवी के प्रतिनिधि ज्ञान चंद्र त्यागी द्वारा विद्यार्थियों को खाद्य सामग्री सहित, कॉपी, पेन, पेंसिल सहित अन्य उपयोगी शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ता है तथा अभिभावकों को भी सहयोग मिलता है। पूर्व प्रधान प्रतिनिधि ज्ञान चंद्र त्यागी ने कहा कि शिक्षा समाज की मजबूती की नींव है और बच्चों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्य करते रहने की बात कही।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक में निपुण आकलन सहित विभागीय कार्यों पर हुआ मंथन

सहसों। विकासखंड सहसों के उच्च प्राथमिक विद्यालय थानापुर परिसर स्थित अस्थायी सहसों बीआरसी कार्यालय पर गुरुवार को ब्लॉक के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी सहसों वरुण कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं शैक्षिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खंड शिक्षा अधिकारी ने 27 जनवरी को डायट द्वारा सभी प्राथमिक विद्यालयों में कराए जाने वाले निपुण आकलन को लेकर विशेष जोर देते हुए कहा कि डीएलएड प्रशिक्षु जब बच्चों के आकलन हेतु विद्यालयों में आएं तो उनका पूर्ण सहयोग किया जाए ताकि आकलन कार्य सुचारु एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके। इसके अलावा उन्होंने चौपाल कार्यक्रम, सत्र परीक्षा, कायाकल्प योजना, ऑनलाइन रजिस्टरों को समय से पूर्ण करने तथा विभाग द्वारा जारी आदेशों की प्रतियों को विद्यालयों में सुरक्षित रखने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि सभी कार्य तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। बैठक में एआरपी महेश प्रताप यादव, कमल सिंह, शिव अवतार साहू, मनोज यादव, उर्मिला सिंह, महिला शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष शिखा पांडे, रवि दुबे, गिरिजा देवी, संतोष जायसवाल, सुधा सिंह, केके मिश्रा, शालिनी सिंह, बेबी लता सिंह, राजेश शुक्ला, जय लक्ष्मी सिंह, राजकुमार गिरी, संजय, राकेश यादव, सुनील पटेल, मोहम्मद अख्तर, रीता देवी, आरिफ हुसैन, संजीव राय, लिपिक आशीष सिंह, रमेश यादव, रवि गुप्ता सहित आदि प्रधानाध्यापक व शिक्षक उपस्थित रहे।

दहेज में पांच लाख न मिलने पर विवाहिता को मार पीट कर भगाया मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय अलाउद्दीन उर्फ जोगापुर निवासनीय ममता मौर्या पुत्री राम कैलाश की चार वर्ष पूर्व मऊआइमा के ग्राम सराय लीला खोजापुर निवासी अविनाश कुमार मौर्या के साथ हुई थी। ममता मौर्या का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुरालियों द्वारा पांच लाख की मांग न पूरी होने पर उसे मार पीट कर जान से मारने की धमकी देकर भगा दिए। ममता मौर्या ने मऊआइमा थाने में पति अविनाश कुमार मौर्या, ससुर राम लखन,सास नाम अज्ञात के खिलाफ दहेज प्रथा का मुकदमा दर्ज करा दी है।

पुरानी रंजिश को लेकर मां बेटे की पिटाई मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। थाना क्षेत्र के ग्राम रोझियात निवासनीय सांवरी देवी पत्नी लाला राम का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर उसे गिरा कर मारे पीटे जब बीच बचाव में पुत्र विनोद कुमार आया तो उसे भी मारे पीटे और गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिए।सांवरी देवी ने मऊआइमा थाने में शिवमंगल,देवकी देवी, जगरूप,शिव मूरत के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन

करछना। अयोध्या स्थित श्री राम के पावन मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ पर तहसील परिसर करछना स्थित दुर्गा मंदिर में स्थानीय संकीर्तन मंडल द्वारा भव्य सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस दौरान वाद्य यंत्रों के साथ संकीर्तन मंडल के कलाकारों ने खूब समां बांधी। इसके बाद भजन संकीर्तन और पाठ के समापन के बाद घंटा-घरियारी और शंखध्वनि के साथ भव्य आरती और प्रसाद वितरण किया गया।घंटों तलक भगवान श्री राम के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा और वातावरण भक्ति में बना रहा। उप जिलाधिकारी करछना समेत बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष चिंतामणि शुक्ला,अध्यक्ष संजय पांडेय,पूर्व महामंत्री हंसराज सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश द्विवेदी ,ध्रुवराज सिंह,अभिषेक सिंह,कुलदीप मिश्रा,विद्युत सिंह,विनय द्विवेदी,ज्ञान सिंह पटेल, उपनिबंधक नीरज पांडेय, ग्राम न्यायिक मजिस्ट्रेट अदिति श्रीवास्तव,प्रभारी निरीक्षक अनूप सरोज समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मेजा में ग्रामीण मीडिया कार्यशाला, 'विकसित भारत' जी राम जी कानून' पर मंथन

ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सुशासन की दिशा में अहम पहल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज (मेजा)। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) लखनऊ की ओर से मेजा तहसील स्थित पंडित कृपाशंकर तिवारी महाविद्यालय में गुरुवार को ग्रामीण मीडिया कार्यशाला ह्यवार्तालाप कार्यक्रमह्ल का आयोजन किया गया। इसमें संसद द्वारा बनाए गए ह्यविकसित भारतझजी राम जी कानूनह्ल और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय पत्रकारों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि यह कानून सेवा, सुशासन और समृद्धि की अवधारणा पर आधारित है और ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी का प्रावधान किया गया है।

पीआईबी व केंद्रीय संचार ब्यूरो, उत्तर प्रदेश के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने कहा कि ह्यविकसित भारतझजी राम जी कानूनह्ल का उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को मजबूत करना और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि 24 से 28 जनवरी 2026 तक इसी विषय पर पांच दिवसीय प्रदर्शनी और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में पूर्व उप शिक्षा निदेशक अशोक नाथ तिवारी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा और बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक अनूप शुक्ल ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव सशक्त और आत्मनिर्भर बनेगा।

माघमेला क्षेत्र में गंगा पूजन, कन्या पूजन व संत सम्मान के साथ दिव्य धार्मिक आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयाग के पावन माघमेला क्षेत्र स्थित चौक में शनिवार को एक भव्य एवं दिव्य धार्मिक आयोजन श्रद्धा और सद्भावना के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन सनातन स्वराज एवं माता काली सदानंद सद्भावना ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसके आयोजक शिवशंकर ओझा एवं संस्थापक सनातन स्वराज रहे। कार्यक्रम का आयोजन मौनी बाबा आश्रम गऊघाट सेवा शिविर में किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से गंगा पूजन के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना कर लोक कल्याण की कामना की। इसके पश्चात कन्या पूजन एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं को देवी स्वरूप मानकर पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। साथ ही संत-महंतों का सम्मान कर उन्हें प्रसादी अर्पित की गई। बड़े हनुमान मंदिर शिविर के सामने उपस्थित श्रद्धालुओं को भी प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर दामोदर दास, महामंडलेश्वर रामनरेश दास, बृजभूषण दास, जगतराम दास, महामंडलेश्वर विनयानंद गिरी, महंत प्रेमनारायण दास, महंत रामकुमार दास, महंत हेमन्त दास, महंत सत्यनारायण दास सहित सैकड़ों संत-महंतों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने आयोजन को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य कृपाशंकर द्विवेदी, कृष्णाकांत तिवारी, उमेश पाण्डेय, रविशंकर पाण्डेय, प्रभाशंकर तिवारी, माधवाचार्य का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा बद्री प्रसाद मिश्र, मनेंद्र प्रताप सिंह, राघव प्रसाद पाठक, उर्मिला शुक्ला, ललित मिश्र, अभिषेक मिश्र, शिवम शुक्ल मोनू, हरिओम शुक्ल, अमरीश पाण्डेय, रविकांत और दीपांशु तिवारी ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

आयोजकों ने सभी संत-महंतों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सनातन संस्कृति, सेवा और सद्भावना से जुड़े ऐसे आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

माघ मेले में अंगद पाँव का अनोखा खेल प्रदर्शन परंपरा और खेल का हुआ संगम

प्रयागराज। सनातन परंपरा के महत्वपूर्ण पर्व माघ मेले में जहां एक ओर भजन, कीर्तन और धार्मिक कथाओं की गूंज सुनाई देती है, वहीं दूसरी ओर परंपरा को आधुनिक दृष्टि से जोड़ने के अभिनव प्रयास भी सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक अनूठा दृश्य माघ मेला क्षेत्र में देखने को मिला, जब रामायण से जुड़े अंगद के पाँव प्रसंग को खेल प्रतियोगिता के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह अभिनव प्रयोग अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्पोर्ट्स रिसर्चर डॉ. कनिष्क पाण्डेय की संस्था ह्लस्पोर्ट्सः ए वे ऑफ लाइफह्ल के तत्वावधान में हर्षवर्धन मार्ग, पश्चिमी पटरी स्थित कैंप में आयोजित किया गया।

डॉ. कनिष्क पाण्डेय ने बताया कि विश्व की अधिकांश खेल विधाएं अपने-अपने देशों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जन्मी हैं। उन्होंने मैराथन दौड़ का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार प्राचीन युद्ध की घटना आज एक अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। इसी तर्ज पर भारतीय पौराणिक ग्रंथों में वर्णित प्रसंगों के आधार पर खेलों की खोज और विकास का प्रयास उनकी संस्था द्वारा किया जा रहा है।

इसी क्रम में अंगद पाँव खेल प्रतियोगिता का प्रदर्शन किया गया। इसके लिए विशेष नियम तैयार किए गए हैं। प्रतियोगिता में समान भार वर्ग के दो पहलवान चक्र में उतरते हैं। एक पहलवान अंगद की भांति पैर जमाता है, जबकि दूसरा निर्धारित समय में पैर को हिलाने या उठाने का प्रयास करता है। प्रत्येक चक्र में प्रदर्शन के आधार पर अंक तय होते हैं और अंत में जिसका पैर नहीं हिलता, वही अंगद घोषित होता है। इस प्रदर्शन में अर्जुन यादव (राष्ट्रीय पहलवान व नेशनल मेडलिस्ट), अरविन्द कुमार तिवारी (राष्ट्रीय पहलवान), हरेन्द्र गुर्जर जागरा (उत्तर प्रदेश केसरी), जितेन्द्र पहलवान और निखिल यादव (यूपी स्टेट मेडलिस्ट) ने दमखम दिखाया। तीन चरणों में हुए प्रदर्शन में अरविन्द कुमार तिवारी, हरेन्द्र गुर्जर जागरा और निखिल यादव को विजेता घोषित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सीमा पाण्डेय, शिवांग पाण्डेय, प्रसार समाजसेवी, मुकेश पहलवान (अध्यक्ष, प्रयागराज कुश्ती संघ) और प्रयागराज मंडल केसरी सहित खेल जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अनोखे प्रदर्शन को देखने के लिए मेला क्षेत्र से हजारों दर्शक पहुंचे और आयोजन की सराहना की।

मतदाता पुनरीक्षण महाअभियान के तहत एसआईआर मैपिंग पर जनसुनवाई

सोरांव। मतदाता पुनरीक्षण महाअभियान के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी सोरांव सुमन मिश्रा की अध्यक्षता में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) मैपिंग को लेकर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में मतदाता सूची से कटे नामों को पुनः जोड़ने, नाम व पते में संशोधन, त्रुटि सुधार सहित अन्य समस्याओं पर लोगों की शिकायतें सुनी गईं। इस दौरान ग्रामीण व मतदाता पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याओं को उनके समक्ष रखी। खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा ने उपस्थित लोगों को बताया कि एसआईआर अभियान का उद्देश्य शुद्ध व त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करना है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं ताकि समय रहते उनका नाम पुनः जोड़ा जा सके। जनसुनवाई में संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण करते हुए पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए जाएं साथ ही आमजन से अपील की गई कि वे मतदाता सूची का अवलोकन कर किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर तुरंत जानकारी दें। जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याओं के समाधान से मतदाताओं में संतोष देखा गया।

कांग्रेस पार्टी की मोहनगंज में आयोजित की गई मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार द्वारा मोहनगंज बाजार में गुरुवार को मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने क्षेत्रीय जनसमस्याओं और (मनरेगा) महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम को समाप्त करना एवं गहन मतदाता पुनिरिक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए भाजपा सरकार द्वारा किए जाने वाले नुकसान से जनता कितना त्रस्त और परेशान हो रही है इसके बारे में उपस्थित लोगों को बताते हुए कहा कि यदि समय रहते आप भाजपा सरकार के खोखले वादे और जनता के प्रति उपेक्षात्मक रवैये के प्रति जागरूक नही होंगे तो भाजपा सरकार निरंकुश हो जाएगी और राजशाही स्थापित कर देगी। भाजपा सरकार जनता का राज्य समाप्त करना चाहती है। और नया संविधान बनाना चाहती है। जो पूंजी पतियों के लिए होंगे और यह तानाशाही सरकार कायम करने के अपने उद्देश्य में सफल हो जाएंगे अब आपको एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी की नीतियों और उद्देश्यों को जन-जन तक चौपाल और कार्यक्रमों के माध्यम से पहुंचना होगा और भाजपा सरकार के काले कारनामों की कलई खोलने होगी तभी हमारा आपका जीवन सुरक्षित होगा। और जनता में खुशहाली का शासन होगा जब तक बेरोजगारों को काम नहीं मिलेगा महंगाई पर नियंत्रण नहीं होगा बच्चों को सस्ती शिक्षा नहीं उपलब्ध होगी सबके स्वास्थ्य की गारंटी नहीं मिलेगी तब तक कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील पाण्डेय व अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष देवराज उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में हरिभान सिंह सिंगरौर, डा.फखरे आलम, डा.मंगल यादव, शंकर लाल यादव, निसार यादव, सुरेश चन्द्र, राम प्रकाश, मो.इमरान, मो.इस्माईल, संदीप कुमार आदि पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पैरासेलिंग एडवेंचर कैंप का दूसरा दिन सकुशल हुआ संपन्न

साहस,अनुशासन एवं आत्म विश्वास का परिचय दिया

अखंड भारत संदेश

थरवई। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय प्रयागराज के निर्देशन में 17 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज द्वारा 21 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक वायु सेना क्षेत्र फाफामऊ पडिला एयर स्ट्रिप पर आयोजित पाँच दिवसीय पैरासेलिंग एडवेंचर एक्टिविटी कैंप का दूसरा दिन पूर्व निर्धारित मानकों एवं पूर्ण सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस एडवेंचर शिविर के दूसरे दिन के निरीक्षण अवसर पर 6 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के कमान अधिकारी कर्नल प्रवीण कुमार एस की गरिमामयी उपस्थिति रही। कर्नल प्रवीण कुमार एस ने स्वयं पैरासेलिंग बैलून द्वारा उड़ान भरकर कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया तथा अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी संबोधन से कैडेट्स एवं एनसीसी स्टाफ में नवीन ऊर्जा का संचार किया। अपने संबोधन में कर्नल प्रवीण कुमार एस ने इस पाँच दिवसीय विशेष पैरासेलिंग एडवेंचर एक्टिविटी कैंप के कुशल नेतृत्व, सुदृढ़ योजना एवं उत्कृष्ट प्रबंधन के लिए 17 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अरविन्द सिंह की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा शिविर के सकुशल एवं सफल समापन हेतु शुभकामनाएँ दी शिविर के दूसरे दिन 15 यूपी बटालियन, 16 यूपी बटालियन एवं 17 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के कैडेट्स ने सक्रिय सहभागिता करते हुए साहस, अनुशासन एवं आत्मविश्वास का परिचय दिया। इस पाँच दिवसीय पैरासेलिंग एडवेंचर कैंप के सफल आयोजन में 17 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के सूबेदार ओमकार सिंह, सूबेदार सुंदर सिंह, नायब सूबेदार हरिंदर सिंह यादव, हरिराम, बीएचएम संजय शर्मा तथा चिकित्सीय सहायता हेतु 6 यूपी गर्ल्स बटालियन से बीएचएम नीलेश साहू का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। इसके अतिरिक्त, पैरासेलिंग एडवेंचर गतिविधि को सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने में चित्रकूट पैराग्लाइडिंग एडवेंचर संस्था के चीफ इंस्ट्रक्टर शशि कुमार यादव एवं उनकी प्रशिक्षित टीम का सहयोग उल्लेखनीय रहा। यह एडवेंचर कैंप कैडेट्स में साहस, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रसेवा की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहा है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने संपूर्ण शिक्षा डॉक्यूमेंट को लेकर 9 जनवरी 2026 को फोटो स्टेट करवाने मंझनपुर जा रहा था राजेंद्र सिंह रज्जू भैया यूनिवर्सिटी इलाहाबाद की बीए बैचलर आफ आर्ट्स की डिग्री रोल नंबर 21 30 15 00 11077 रजिस्ट्रेशन नंबर पीआरएसयू 2011 8334 रास्ते में कहीं खो गई है जिस सज्जन को मिले और नीचे पते पर पहुंचाने का कष्ट करें। **पंकज केसरवानी पुत्र उदय केसरवानी निवासी ओसा चौराहा मंझनपुर कौशांबी। मो0-75650 87572**

बघौरा खवासान में डॉक्टर के इंजेक्शन से युवक की मौत

पेट दर्द होने पर गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया , इंजेक्शन के 20 मिनट बाद बिगड़ी हालत

अखंड भारत संदेश

मांडा। इलाकाई थाना क्षेत्र के बघौरा खवासान गांव में गुरुवार दोपहर बाद पेट दर्द होने पर एक 42 वर्षीय युवक की मौत हो गई। परिजनों ने गांव के एक डॉक्टर से इलाज कराया था, जिसके इंजेक्शन लगाने के 20 मिनट बाद ही युवक की हालत बिगड़ गई। उसे मांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान बघौरा खवासान गांव निवासी जीत कुमार बिंद पुत्र स्वर्गीय बद्री के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, जीत कुमार को अचानक पेट में दर्द हुआ, जिसके बाद उन्होंने गांव के ही एक डॉक्टर को बुलाया। डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के लगभग 20 मिनट बाद जीत कुमार की तबीयत और खराब होने लगी।

हालत गंभीर होते देख परिजन आनन-फानन में जीत कुमार को मांडा सीएचसी ले गए। हालांकि, वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर घर लौट आए।

मृतक के बड़े भाई लाल जी बिंद ने इस घटना की सूचना मांडा पुलिस को दी और कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर मांडा उप निरीक्षक अमित कुमार नागर और निहाल गुप्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज शहर भेज दिया।

जीत कुमार बिंद के परिवार में उनकी पत्नी जगवंती देवी, दो बेटे और एक बेटी है। उनके बड़े बेटे राजा बाबू (22) पुणे में निजी नौकरी करते हैं और पिता के निधन की सूचना पर घर के लिए रवाना हो गए हैं। छोटा बेटा आशीष कुमार उर्फ चुनमुन लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज मांडा में 11 वीं कक्षा का छात्र है।

परिवार में हाल ही में खुशी का माहौल था, क्योंकि दो दिन पहले ही उनकी बेटी बबीता की सगाई बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई थी। बबीता की शादी 6 फरवरी 2026 को होनी तय थी, जिसकी तैयारियों में पूरा परिवार खुशी-खुशी लगा हुआ था। इस आकस्मिक निधन से परिवार में खुशी का माहौल गम में बदल गया है और पत्नी जगवंती देवी व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक के बेटे आशीष कुमार ने बताया कि पेट दर्द होने पर उन्होंने गांव के बगल के झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया था। डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाया, जिसके थोड़ी

देर बाद उनके पिता पेशाब के लिए घर से बाहर निकले। इसी दौरान उनकी हालत और बिगड़ गई। उन्हें तुरंत मांडा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

माघ मेला में भक्ति और सेवा का संगम

त्रिवेणी मार्ग पर भव्य भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर नंबर 4, त्रिवेणी मार्ग पर श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जहाँ आयोजक श्री कौशिक जी महाराज के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में बड़ी संख्या में कल्पवासियों, संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। आयोजकों द्वारा पूरी व्यवस्था अनुशासित ढंग से की गई, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। श्रद्धालुओं को शुद्ध, सात्विक और स्वादिष्ट भोजन प्रसाद के रूप में परोसा गया। इस अवसर पर श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि माघ मेला केवल स्नान का पर्व नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का भी महापर्व है। भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा धर्म है।ह्व उन्होंने आगे बताया कि ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और मानवता को मजबूत करते हैं। भंडारे की सफलता में स्थानीय स्वयंसेवकों और शिष्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वच्छता, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। माघ मेले में आए श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए आयोजक मंडल को धन्यवाद दिया।सेवा, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का यह भंडारा माघ मेले की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक सशक्त करता नजर आया।

न्यूज झरोखा

महिला ने रिश्तेदार पर लगाया लूट का आरोप, मुकदमा दर्ज

करछना। करछना थाना क्षेत्र के सेमरी बनपुरवा निवासी कविता विश्वकर्मा पुत्री राम नरेश विश्वकर्मा ने लूट की घटना को लेकर थाना में शिकायती पत्र दिया है। कविता विश्वकर्मा का कहना है कि वह पूरा घीसन चौराहे के पास लक्ष्मी ज्वेलर्स का संचालन करती हैं। बुधवार शाम करीब छह बजे वह दुकान बंद कर स्कूटी से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान तेवरिया गांव की पुलिया से कुछ दूरी पहले दो बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोक लिया। धक्का-मुक्की के दौरान वह सड़क पर गिर गईं, जिसके बाद युवक स्कूटी लेकर चले गए। पीड़िता के अनुसार स्कूटी पर रखा करीब डेढ़ किलो चांदी, साढ़े छह हजार रुपये नकद और एक डिजिटल तराजू भी साथ ले जाया गया। घटना में उनके दाहिने कंधे पर चोट आई है। महिला ने यह भी बताया कि घटना से दो दिन पहले अनिल विश्वकर्मा पुत्र दिनेश विश्वकर्मा नामक युवक दुकान पर आकर ज्वेलरी की तस्वीरें खींचकर ले गया था। थाना प्रभारी अनूप सरोज ने बताया कि तहरीर के आधार पर महिला के एक रिश्तेदार तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के लगभग एक घंटे के भीतर करेहा गांव के पास से स्कूटी बरामद कर ली गई थी। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

सरकारी शराब की दुकान पर आबकारी विभाग का छापा, मिलावटी शराब बरामद

करछना। इन दिनों करछना के सरकारी शराब की दुकानों पर मिलावट का खेल चल रहा है। अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में दुकानदार शराब में मिलावट कर रहे हैं जो पीने वालों के लिए खतरा बन सकती है। ताजा मामला थाना क्षेत्र के भीरपुर चौकी का है जहां पर कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान पर बुधवार की आधी रात को आबकारी विभाग और करछना पुलिस ने छापेमारी की। बड़ी मात्रा में मिश्रित शराब की पेटियां बरामद हुई। आबकारी विभाग ने पेटियां को कब्जे में लेते हुए दुकान को सील कर दिया और मुकदमा दर्ज कराया गया। वहीं क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि पूरे दुकानों पर मिलावट का खेल किया जा रहा है जिसे पीने वालों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। जगह-जगह दुकानदार पैसे कमाने के चक्कर में लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। कई जगह नकली शराब लोगों की जिंदगी को तबाह कर चुकी है इतना सब कुछ होने के बाद भी विभाग जाग नहीं रहा है इसका फायदा खराब माफिया उठा रहे हैं।

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर प्रयागराज में 24 को लगेगा रोजगार मेला, प्रधानमंत्री योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

प्रयागराज। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी रोजगार योजना के तहत 24 जनवरी 2026 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के ग्रुप सेंटर, प्रयागराज में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ प्रयागराज धीरज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेला सुबह 9 बजे से शुरू होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और सरकारी सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

सरकारी जमीन खाली न करवाते हुए, सभी जगह असमर्थता जाहिर करने में माहिर है हल्का लेखपाल

बारा। बारा तहसील में भू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। तहसील प्रशासन द्वारा पहाड़ पर कब्जा रोकने के आदेश के बावजूद लाखों रुपए के पहाड़ पर कब्जा कर निर्माण किया गया है। एसडीएम बारा द्वारा हल्का लेखपाल को गुरुवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। परवेजाबाद में आराजी संख्या 22 मि सरकारी दस्तावेज में पहाड़ के खाते में दर्ज है। पड़ोसी गांव के द्वारा कब्जा निर्माण कार्य किया जा रहा था। ग्राम प्रधान प्रेम कुशवाहा द्वारा की गई शिकायत पर एसडीएम बारा ने हल्का लेखपाल से आख्या मांगी। हल्का लेखपाल अब्दुल कादिर सिद्दीकी द्वारा इसकी पुष्टि भी की गई किन्तु माफियाओं से पहाड़ को मुक्त कराने में असमर्थता जताई। दूसरी ओर कब्जा करने वालों ने लेखपाल पर ही पैसा लेकर कब्जा कराने का आरोप लगाया है।इसी तरह ग्राम पंचायत सोनौरी में भी पहाड़ की भूमि पर अक्टूबर माह से कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है। वहां की भी लेखपाल एक ही व्यक्ति है।सोनौरी बारा तहसील के लालापुर थाना अंतर्गत आता है। चर्चा है कि क्षेत्र के बसहरा तरहार, छतहरा घुरेहठा में भी पहाड़ पर कब्जा किया जा रहा है। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो बारा के पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है इस संबंध में एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है।यह गंभीर मामला है।प्रथम दृष्टया हल्का लेखपाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। स्पष्टीकरण के बाद विधि सम्मत कार्यवाही होगी और पहाड़ों का अवैध निर्माण ध्वस्त किया जाएगा।

अक्टूबर महीने से खाली करने का आदेश दबाकर रखा अपने पास

नवयुवक क्रिकेट प्रीमियर लीग कलना द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवयुवक क्रिकेट प्रीमियर लीग कलना, धनूपुर द्वारा 14 जनवरी से क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें तमाम टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने अपने प्रतिद्वंदियों को पटखनी दिया 26 जनवरी को फाइनल मैच के साथ यह प्रतियोगिता संपन्न होगी। प्रतियोगिता के आयोजक चंद्रशेखर भारतीय पूर्व प्रधान कलना ने उपस्थित जनसमूह एवं खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह मनुष्य को जीवन जीने के लिए भोजन जरूरी है ठीक उसी प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल भी जरूरी है। खेल के माध्यम से आपस में भाईचारा बढता है खेल भी शिक्षा का एक अंग है और खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए हारने वाले को जीतने के लिए तथा जीतने वाले को जीत बरकरार रखने के लिए खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश में काफी लोकप्रिय खेल है और लगभग हर घर में इसके प्रेमी मिल जायेंगे उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अच्छा खिलाड़ी छोटे छोटे गांवों से भी निकल कर देश का नाम रौशन कर सकता है। इस अवसर पर प्रधान कलना मोहम्मद शकील, मनोज प्रधान विक्रमपुर, कोषाध्यक्ष अतुल शुक्ला, उपाध्यक्ष सुहेल अंसारी, विकास वांटेड, मो. शरीफ, मो. आजम, नन्हे दुबे, साहब पांडेय, पूर्व क्रिकेटर नौशाद, अन्नू, बुल्ले, राहुल, अकबर, हसनैन, अफसर, भोला, सूरज, कार्यकर्ता शुभम, माहे आलम, सुहेल, साहिद, समीर, शाहिल, अर्जून, विकास सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मांडवी चंद्रकांति पूर्व माध्यमिक विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

मांडा। मांडवी चंद्रकांति पूर्व माध्यमिक विद्यालय का वार्षिकोत्सव 22 जनवरी 2026 को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय श्री मंगलदेव द्विवेदी ने की, जबकि माननीय राजू शुक्ला उर्फ इंद्रदेव शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि राजू शुक्ला ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों से विशेष आग्रह किया कि वे अपनी बालिकाओं को भी बालकों के समान विद्यालय भेजें और उन्हें शिक्षा के लिए समान सुविधाएँ प्रदान करें। विद्यालय के प्रबंधक सभा शंकर पांडे ने विद्यालय को और आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित समस्त ग्रामवासियों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष मंगलदेव द्विवेदी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथियों ने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती रीता पांडेय और अन्य सहायक अध्यापकों द्वारा बच्चों को कार्यक्रम के लिए तैयार करने के तरीके को अविश्वसनीय एवं आदरणीय बताया। इस अवसर पर प्रभाकर पांडेय, कृष्ण प्रताप सिंह, धनंजय शुक्ला, मांडवी शरण द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष लीलावती गुप्ता, पप्पू सिंह, शुभम त्रिपाठी सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित थे।

महात्मा गांधी महान पैगंबर : स्वामी श्री योगी सत्यम

परमहंस योगानंद ने पश्चिम में क्रियायोग का किया अद्भुत प्रचार, महात्मा गांधी को बताया दिव्य ईशदूत

सनातन धर्म और क्रियायोग के संदेश को 32 वर्षों तक फैलाया

अखंड भारत संदेश

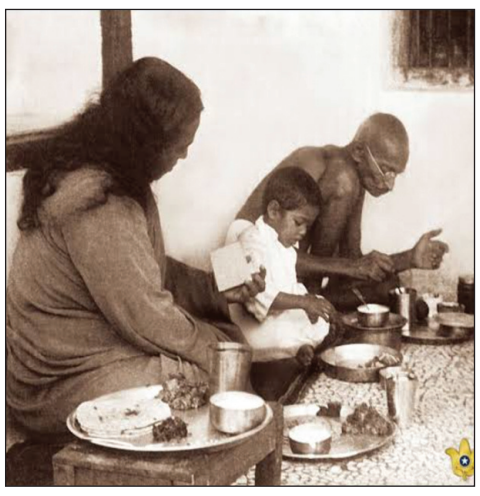

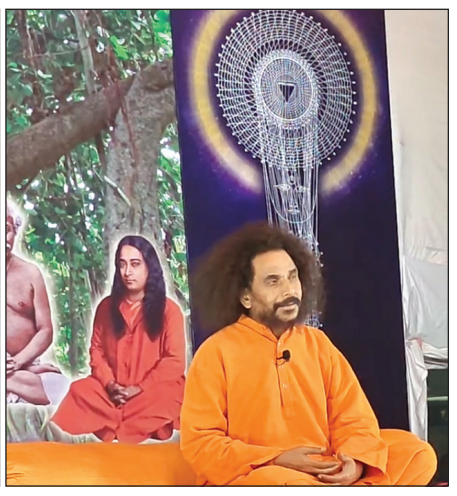

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र स्थित क्रियायोग शिविर में गुरुवार को क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी महाराज के सानिध्य में चल रहे क्रियायोग अभ्यास व ध्यान शिविर में क्रियायोग गुरु ने क्लास के दौरान परमहंस योगानंद जी के प्रचार प्रसार के बारे में बताते हुए कहा कि अमर संत मृत्युंजय महावतार बाबाजी ने परमहंस योगानंद को पश्चिम में क्रियायोग (सनातन धर्म) का प्रचार-प्रसार और प्रशिक्षण देने के लिए ज्ञानावतार स्वामी युक्तेश्वर गिरी जी के पास विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु भेजा। परमहंस योगानंद जी ने अमेरिका के बोस्टन में आयोजित द्वितीय धर्म संसद में क्रियायोग का मनमोहक संदेश प्रस्तुत किया और तत्पश्चात 32 वर्षों तक पश्चिम में सनातन धर्म की शिक्षाओं का विधिवत प्रचार प्रसार किया।

परमहंस योगानंद जी ने 7 मार्च 1952 को कैलिफोर्निया के बिल्टमोर होटल में विशेष कार्यक्रम में महासमाधि ली। इस अवसर पर 50 देशों के राजदूत और शिष्यों की उपस्थिति थी। उन्होंने महात्मा गांधी को दिव्य ईशदूत और महान पैगंबर के रूप में संबोधित किया। योगानंद ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी राष्ट्रों को महात्मा गांधी के मार्ग पर चलकर अपने राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान करना चाहिए। उनकी शिक्षाओं ने न केवल पश्चिम में सनातन धर्म और क्रियायोग का प्रचार किया बल्कि वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक चेतना को भी मजबूती दी।

विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना और ग्रामीण भारत को रोजगार, अधिकार तथा आत्मनिर्भरता से जोड़ने बात कही : मुख्य अतिथि प्रो. गिरीश

मांडा। क्षेत्र के मांडा रोड नहवाई स्थित पंडित कृपा शंकर तिवारी महाविद्यालय में विकसित भारत रोजगार एवं अधिकार गारंटी मिशन (ग्रामीण) पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। वही मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियो ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर

बैठक का उद्देश्य विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना और ग्रामीण भारत को रोजगार, अधिकार तथा आत्मनिर्भरता से जोड़ना था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे।

प्रो. त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत की नींव तभी मजबूत होगी जब ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, अधिकार और सामाजिक सुरक्षा की ठोस गारंटी प्रदान की जाएगी। उन्होंने प्रस्तावित मिशन को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कानून की कमियों को दूर करने वाला एक दूरदर्शी प्रयास बताया। बैठक में बताया गया कि यह मिशन लगभग 20 वर्ष पुराने मनरेगा कानून की सीमाओं को समाप्त कर एक आधुनिक और प्रभावी रोजगार व्यवस्था प्रस्तुत करता है। इसके तहत ऐसे ग्रामीण परिवार, जिनमें 18 वर्ष से अधिक आयु के युवा सदस्य कुशल श्रम करने के इच्छुक हैं, उन्हें प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 1 अप्रैल से 30 मार्च के बीच 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान है। वर्तमान मनरेगा कानून में केवल 100 दिनों के रोजगार की गारंटी है। वक्ताओं ने इस विधेयक का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन नहीं, बल्कि गांवों में मजबूत, टिकाऊ और स्थायी बुनियादी ढांचे का निर्माण करना बताया।इसके अंतर्गत जल संरक्षण, जल सुरक्षा, ग्रामीण जल संरचना, आजीविका से जुड़े कार्य तथा अत्यधिक मौसमी और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के प्रभावों को कम करने वाले कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस बैठक में डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा (अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, प्रयागराज), अशोक नाथ तिवारी (सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी एवं समाजसेवी), दिलीप कुमार शुक्ला (निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय) सहित अनेक शिक्षाविद्, समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने इस मिशन को ग्रामीण विकास के लिए समय की आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीण युवाओं से आह्वान किया गया कि वे इस मिशन से जुड़कर गांव के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। वहीं संस्था के कृष्णा तिवारी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नैनी में कैबिनेट मंत्री नंदी एवं पूर्व महापौर ने सड़क का उद्घाटन किया

नैनी। नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ में निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ह्यनंदीह्ल एवं पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता ने फीता काटकर सड़क का उद्घाटन किया। लोकार्पण समारोह के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद व व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जयसवाल, आकांक्षा जायसवाल, मंडल अध्यक्ष रजत दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, मंडल महामंत्री ओम प्रकाश मिश्रा, सेक्टर संयोजक जय कृष्ण तिवारी, विनोद जायसवाल, पूर्व पार्षद मुकेश भारतीय, संजय केसरवानी सीमेंट, रमेश केसरवानी, मंगला प्रसाद केसरवानी, राजेश साहू, विनोद केसरवानी, टुनटुन पांडे, मुन्ना शर्मा, गुड्डू गुडविल एवं सैकड़ों कार्यकताओं ने अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

निगम की इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों दिव्यांगजनों महिलाओं और वंचितों राहत देना : विवेक चंद्रा

मेजा ऊर्जा निगम ने नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत आस पास गांवों के जरूरतमंदों को किया कंबल वितरण,सलैया खुर्द, सलैया कला और मई कला के 1200 ग्रामीण हुए लाभान्वित किया निगम के इस पहल की प्रशंसा

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम ने अपनी नैगमिक सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत ठंड से बचाव हेतु आसपास के जरूरतमंद लोगों के बीच लगभग 1200 कंबलों का वितरण किया। यह वितरण उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद के मेजा तहसील के सलईया खुर्द, सलईया कला एवं मई कला ग्रामों में किया गया। उल्लेखनीय है कि मेजा ऊर्जा निगम की इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, महिलाओं तथा वंचित वर्गों को सहायता उपलब्ध कराना था। गौरतलब है कि मेजा ऊर्जा निगम निरंतर समाज कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में सार्थक योगदान देता आ रहा है। स्थानीय निवासियों ने निगम की इस मानवीय पहल की सराहना की तथा मेजा ऊर्जा निगम के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान विभागाध्यक्ष मानव संसाधन विवेक चंद्रा ने कहा कि नैगम सामाजिक दायित्व के तहत आस पास गांवों के बुजुर्गों, दिव्यांगजनों,महिलाओं और वंचितों को ठंड से राहत पहुंचना ही निगम का मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर मनोज कुमार वर्मा उप महाप्रबंधक मानव संसाधन, सीएसआर टीम, देवीशंकर यादव ग्राम प्रधान सलईया कला, सुरेश यादव ग्राम प्रधान सलईया खुर्द तथा पुष्पराज सिंह ग्राम प्रधान

मई कला आदि के अलावा कई अन्य आस पास के ग्रामवासी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सपा के लोग जननेता जनेश्वर मिश्र के पदचिन्हों पर चलने का लें संकल्प : नरेंद्र सिंह

मेजा के भड़ेवरा गांव में सपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश सचिव के नेतृत्व छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की मनाई गई सोलहवीं पुण्यतिथि,सपाइयों ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन उनके पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

अखंड भारत संदेश

मेजा के भड़ेवरा गांव में छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की सोलहवीं पुण्यतिथि मनाते सपाई

मेजा। महान समाजवादी नेता एवं केन्द्र सरकार में कई बार मंत्री रहे छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की सोलहवीं पुण्यतिथि बृहस्पतिवार को मेजा क्षेत्र के भड़ेवरा गांव मे सपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह के अगुआई मे सपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। सपा नेताओं द्वारा उन्हें याद करते हुए उनके

व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सपा प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने अपने नेता को याद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजनीति सहित उत्तर प्रदेश की राजनीति मे जननेता के रूप मे समाजवादी पार्टी के

अन्दर और बाहर युवा नेतृत्व को पहचान दिलाने में जनेश्वर मिश्र का श्रमसाध्य प्रयास सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने जीवन पर्यन्त शोषितों,पीड़ितों, और कमजोरों के पक्ष की पैरोकारी करते हुए संघर्ष किया है। नरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि जनेश्वर मिश्र सम्पन्नता और समानता के लिए होने वाले संघर्ष के बहुत बड़े रचनाकार थे,उनकी मौजूदगी में बहुत बड़ा बल होता था। आज उनकी याद को ही उनकी मौजूदगी में परिवर्तित करने की जरूरत है। नरेन्द्र सिंह ने यह भी कहा कि आज सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जनेश्वर मिश्र के संघर्षों एवं सपनों को साकार करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इस अवसर पर फिरोज खान, हिमांशु सिंह,अरविंद यादव, शिवराम पटेल, बिसुन यादव, विजय बहादुर कुशवाहा, हीरालाल पटेल, धीरज पाण्डेय, गगन सिंह, अजय शर्मा,अंकित शर्मा तथा दुर्गेश शर्मा आदि के अलावा कई अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विधायक सदर व डीएम ने खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान का किया शुभारम्भ

जनपद में खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान का सातवां चरण शुरू, 51 टीमें हुई रवाना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव हेतु सातवें चरण का टीकाकरण अभियान दिनांक 22 जनवरी 2026 से प्रारम्भ हो गया है। इस अभियान का शुभारम्भ विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य व जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा विकास भवन परिसर से 51 टीकाकरण टीमों को टीकाकरण किये जाने हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण (04 माह से छोटे एवं 08 माह से ऊपर गाभिन पशुओं को छोड़कर) किया जाएगा। टीकाकरण अभियान 22 जनवरी 2026 से 10 मार्च 2026 तक कुल 45 दिनों तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार, जनपद के सभी उप मुख्य पश ुचिकित्साधिकारी एवं पशु चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे। खुरपका-मुंहपका एक विषाणु जनित संक्रामक रोग है, जिसके संक्रमण से पशुओं में तेज बुखार, मुंह से लार गिरना, मुंह एवं पैरों में छाले, चारा न खाना तथा दुग्ध उत्पादन में भारी गिरावट देखने को मिलती है। गाभिन पशु बच्चा गिरा देती है तथा समय पर उपचार न मिलने पर पशु की मृत्यु भी संभव है। यह रोग विशेष रूप से विदेशी नस्ल की गायों को अधिक प्रभावित करता है। इस रोग से बचाव के लिए टीकाकरण ही एकमात्र प्रभावी उपाय है। यह कार्यक्रम केन्द्र सरकार द्वारा पोषित एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित है, जिसके अंतर्गत पशुपालकों के द्वार पर निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के साथ-साथ पशुओं का पंजीकरण कर ह्यभारत पशुधन एपह्न पर डाटा अपलोड किया जाएगा। रजिस्टर्ड पशुओं को सरकार की विभिन्न योजनाओ जैसे पशुधन बीमा योजना, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत निःशुल्क कृत्रिम गभार्धान, मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक योजना, दैविक आपदा राहत योजना सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया जाता है। पशुपालन विभाग द्वारा जनपद के समस्त पशुपालकों से अपील की गई है कि वे टीकाकरण अभियान के दौरान टीकाकर्मियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें, अपने सभी पात्र पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं एवं उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराएं।

राम जानकी मूर्ति स्थापना के पूर्व निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

बेलखरनाथ धाम। राम जानकी मूर्ति स्थापना के पहले भव्य शोभायात्रा निकाली गई । जिसमें सैकड़ो लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।रानीगंज तहसील क्षेत्र के जामताली हुलासी का पूरा गांव में सुरेश सिंह आलोक सिंह की अगुवाई में राम जानकी मूर्ति की स्थापना के पूर्व भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में गाजे बाजे डीजे के साथ रथ पर राम जानकी मूर्ति को सजा धजा कर रखा गया।इस दौरान भक्तगण पीला वस्त्र धारण किए हाथ में भगवा पताका लिए नंगे पांव जय श्री राम का उद्घोष करते भक्ति गीतों पर थिरके नजर आएं।शोभायात्रा हुलासी का पूरा गांव से निकलकर कमलेश्वर नाथ धाम, प्राचीन हनुमान मंदिर, काली माता मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर पर पहुंची।बाद में जय श्री राम के जयकारे के बीच वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई ।इस उपलक्ष में शाम को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मातादीन सिंह, सुरेश सिंह, आलोक सिंह, रमेश सिंह, बृजेश सिंह, उमेश सिंह, जय सिंह, प्रमोद सिंह, डॉक्टर संजय सिंह, विश्वनाथ सिंह, अरुण सिंह, सुखलाल सिंह, भोला सिंह, राजेश सिंह, भूपेंद्र सिंह जितेंद्र सिंह, राधेश्याम सिंह, चद्रेश सिंह, शेर सिंह, दिनेश सोनी, भगवान गुप्ता, मनोज मोदनवाल सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

उत्सव के रूप में मनाया गया प्रभु श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा दिवस, राष्ट्र सेविका समिति द्वारा आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रतापगढ़। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ उत्सव के रूप में मनाया गया। राष्ट्र सेविका समिति की जिला कार्यवाही का प्रिया त्रिपाठी के नेतृत्व में बहनों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर हम सभी के प्रभु श्री राम के इस विशेष दिवस के शुभ अवसर पर सामूहिक सुंदरकांड, भजन , एवं राम नाम किया गया। 22 जनवरी संपूर्ण भारतवासियों के लिए ऐतिहासिक दिवस एवं सभी हिन्दुओं के लिए गर्व का विषय है हम सभी के इष्ट,प्रभु भगवान श्री राम प्रेरणा के पुंज है,जिनके नाम मात्र से सुख की प्राप्ति हो जाती है।प्रभु की वर्षगांठ का अवसर प्राप्त होना सभी सनातनियों के लिए सौभाग्य की बात है,ऐसे विचारों के साथ सभी मातृशक्तियों ने बड़े ही उल्लास के साथ भक्ति भावना में उत्साहित हो उत्सव के रूप में यह विशेष दिवस को मनाया। सामूहिक आरती एवं प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगीता सिंह ने किया। इस मौके पर शालिनी, शकुंतला त्रिपाठी,अनीता, तनुप्रिया, शांभवी, सविता पांडे ,अंजू त्रिपाठी, शकुंतला,सुनीता,पूनम सिंह,प्रीति सिंह,अनीता,प्रीति, ममता,माया आदि बहने उपस्थित रही।

कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में सुनील को मिला राष्ट्रीय सम्मान

पट्टी। विकास खंड आसपुर देवसरा क्षेत्र के अमरगढ़ स्थित एस डी आर एस इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एजुकेशन के संचालक सुनील यादव को कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। उन्हें नेशनल बोर्ड ऑफ कंप्यूटर एजुकेशन अवॉर्ड फंक्शन-2026 में ह्लबेस्ट ऑफ उत्तर प्रदेशह्न, प्लैटिनम/गोल्डन सेंटर सम्मान एवं गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।यह भव्य सम्मान समारोह कोलकाता के सरत सदन, हावड़ा मैदान में आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से शिक्षा, कला और सिनेमा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान सुनील यादव को युवाओं को कंप्यूटर शिक्षा, तकनीकी कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर मार्गदर्शन देने तथा उनके द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया।सुनील यादव ने वर्षों से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के योग्य बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उनके संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर अनेक युवा आज विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।यह उपलब्धि जनपद ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और युवाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनकर सामने आई है। सम्मान मिलने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है।

मां नारसिंही धाम पर सामूहिक दुर्दुरिया कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कुंडा। विकास क्षेत्र बिहार के गलगली स्थित माँ नरसिंह देवी धाम में सर्वसमाज के सहयोग से आयोजित सामूहिक दुरदूरिया कार्यक्रम आस्था,परंपरा और सामाजिक एकता का भव्य उदाहरण बनकर उभरा। इस धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन में क्षेत्र के लोगों ने अभूतपूर्व सहभागिता निभाते हुए सामाजिक समरसता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के आयोजक ग्राम प्रधान महेंद्र कुमार द्विवेदी रहे, जबकि आयोजन को सफल बनाने में प्रधान प्रतिनिधि पिंटू दुबे, बंशीलाल यादव, राजा सरोज, मुन्ना कोटेदार, राजीव मिश्र, संजय तिवारी सहित सैकड़ों लोगों ने सहयोग किया। सभी के संयुक्त प्रयास से पूरा आयोजन अनुशासन, श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।इस अवसर पर बारह दर्जन से अधिक मातृ शक्तियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई, जिससे महिलाओं में भारी उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के सामूहिक आयोजन समाज को जोड़ने, परंपराओं को जीवंत रखने और नई पीढ़ी को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

भगवान श्रीराम की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने पर मनाया उत्सव

प्रतापगढ़। अयोध्या में रामलला सरकार के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नगर पंचायत गड़वारा बाजार तिराहे पर भगवान श्रीराम की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। दो वर्ष पूर्ण होने पर धूमधाम से उत्सव मनाया गया।गड़वारा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन सिंह शोलू के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालु तिराहे पर विराजमान भगवान श्रीराम की प्रतिमा के पास ढोल नगाड़े बजाते हुए पहुंचे। चारों तरफ जय श्री राम का नारा गूंज रहा था। आज ही के दिन अयोध्या में भगवान श्री रामलला सरकार की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। उसी दिन गड़वारा तिराहे पर भी भगवान श्रीराम की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। प्रति वर्ष यह उत्सव मनाया जाता है। गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके आशीर्वाद लिया। इस मौके पर महेश सोनी, आशीष विद्यार्थी, रिंकू तिवारी, शिवम गुप्ता, रोशन सिंह, संतोष सिंह, राहुल सोनी आदि मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में लगी गोली, साथी फरार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गश्त के दौरान पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गयी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गयी जबाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। जबकि उसका साथी मौके से भाग निकलने में कामयाब रहा। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया गया। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ विधिक कार्रवाई की है। लीलापुर थाना के प्रभारी निरीक्षक मनोज पाण्डेय, दरोगा दीपक यादव, शिशिर पटेल व हरेन्द्र सिंह तथा पुलिस बल के साथ बुधवार की रात गश्त पर निकले थे। इसी दौरान ग्राम पंचायत हण्डौर के पास लोनी नदी के समीप पहले से मौजूद बदमाश अचानक पुलिस को देख फायरिंग करते भागने लगे। आत्मरक्षा में पुलिस टीम की जबाबी कार्रवाई में बदमाश युवराज पुत्र भुल्लर निवासी कोल्हामऊ, बक्शा जनपद जौनपुर बायें पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे दबोच लिया। वहीं घायल बदमाश का एक साथी भौगोलिक स्थितियों का लाभ उठाते भाग निकला। गिरफ्तार घायल बदमाश के पास से पुलिस ने एक तमंचा व कारतूस तथा पिकप वाहन व गोवंश की बरामदगी की है। प्रभारी निरीक्षक लीलापुर मनोज कुमार पाण्डेय का कहना है कि गिरफ्तार बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजवाया गया है। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

पट्टी के युवक की रोहतक में संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

पट्टी। रोजी-रोटी की तलाश में हरियाणा के रोहतक शहर में रहकर काम कर रहे पट्टी क्षेत्र के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि दो बेटे अनाथ हो गए हैं।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के भरोखन गांव निवासी विजयनाथ पाठक के दो बेटों में बड़े बेटे बृजेंद्र पाठक (35) रोहतक में रहकर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। बुधवार रात वह कहीं से लौट रहा था, तभी संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई।मामले की जानकारी मिलने पर रोहतक पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर मृतक का छोटा भाई देवेंद्र पाठक रोहतक पहुंचा, जबकि पिता विजयनाथ पाठक भी घटना की जानकारी मिलते ही रोहतक के लिए रवाना हो गए।फिलहाल युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट हो सकेगी। मृतक अपने पीछे दो बेटे चंदन (18) और रितेश (16) तथा पत्नी संजू पाठक को छोड़ गया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की महत्वपूर्ण बैठक कैम्प कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता एवं क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के फेज-2 के अंतर्गत सूचीबद्ध फर्म मेसर्स जेएमसी द्वारा 24 पुनर्गठित पेयजल योजनाओं के पुनरीक्षित डीपीआर को संस्तुति एवं स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही फेज-2 एवं फेज-3 के अंतर्गत फर्म मेसर्स पावरटेक एवं मैसर्स जेएमसी द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, स्त्रोतों की दीर्घकालिक स्थिरता, चयनित ग्रामों में जल सेवा आकलन तथा जनपद की दो चयनित पेयजल योजनाओं में ह्यजल अर्पण कार्यक्रमह्न आयोजित किए जाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेसर्स जेएमसी एवं पावरटेक द्वारा अब तक किए गए कार्यों की जांच हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम गठित की जाए। यदि किसी परियोजना में कार्य न होने की स्थिति पाई जाती है तो संबंधित फर्म को नोटिस जारी किया जाए और तीन दिवस के भीतर संतोषजनक उत्तर न मिलने पर एफआईआर दर्ज कराते हुए ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की जाए। डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि यदि जल निगम के अधिशासी अभियंता द्वारा एक माह के भीतर संस्थाओं की जांच प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जाती है, तो उनके विरुद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। परियोजनाओं की जांच हेतु एक मानक चेकलिस्ट तैयार कर उसी के अनुरूप अधिकारियों से रिपोर्ट प्राप्त करने तथा सभी रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात पुनः समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी कहा कि जिन परियोजनाओं में बजट की उपलब्धता नहीं है, उनके लिए शासन को तत्काल पत्र प्रेषित कर बजट की मांग की जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं, ताकि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा, अधिशासी अभियंता जल निगम तौसीफ अहमद सहित समिति के सदस्य व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

छोटकी काशी महोत्सव में लोगों ने किया रक्तदान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रक्तदान संस्थान के अध्यक्ष निर्मल पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्राथमिक विद्यालय अशोकपुर चरैया पट्टी के प्रांगण में आयोजित छोटकी काशी महोत्सव 2026 के तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन सुचारू रूप से संपन्न करवाया गया।दो दिवसीय छोटकी काशी महोत्सव कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुरेंद्र पांडेय लल्लन द्वारा किया गया।रक्तदान शिविर में कुल 38 रक्तदाताओं ने प्रतिभाग किया। रक्तदाताओं में प्रमुख रूप से अभिषेक पांडेय,आशुतोष पांडेय,प्रभाकर पांडेय,चंद्रशेखर पांडेय,पवन पांडेय,सत्य प्रकाश पांडेय,रवि प्रकाश पांडेय,शिवांशु पांडेय,सूर्यकांत तिवारी,मधु पांडेय,खुशबू,मृदुल पांडेय,प्रफुल पांडेय,संजय पांडेय,प्रियांशु मिश्रा,रोशन पांडेय,हौशिला प्रसाद आदि ने रक्तदान किया। रक्तदान कार्यक्रम के उपरांत समस्त रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, नव वर्ष कैलेंडर एवं हैंडबैग देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान संस्थान के अध्यक्ष ने कहा कि छोटकी काशी महोत्सव कार्यक्रम में आज पहली बार स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया गया।जो काफी बेहतरीन रहा और ग्रामीण क्षेत्र के रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इसी प्रकार से मैं जनपद के सभी सक्रिय लोगों से अनुरोध करता हूं कि आप सभी अपनी ग्राम सभा में इसी प्रकार से रक्तदान शिविर का आयोजन जरूर करवायें जिससे कि जरूरत पड़ने पर आपके द्वारा दिए गए रक्त से जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध करवाकर उनका जीवन बचाया जा सके। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आन्हा चैरिटेबल ब्लड सेंटर प्रयागराज की टीम का पूरा योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. निकुंज अग्रवाल (निदेशक आन्हा ब्लड बैंक), डॉ.चेतन कपूर(मेडिकल ऑफिसर)अनंत यादव (टेक्निकल इंचार्ज), मयंक मिश्रा लैब टेक्नीशियन, आदर्श बरनवाल, चेतन कुमार, रितिक राज, रोहित कुमार पाल, पवन पांडेय शास्त्री, रक्तदान संस्थान के अध्यक्ष निर्मल पांडेय का भरपूर सहयोग रहा।

रामनगर में कम्बल वितरण व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

एमएलसी गोपाल व विधायक विनोद सरोज ने कंबल का किया वितरण

अखंड भारत संदेश

कुंडा। विकासखंड बाबागंज के ग्रामसभा रामनगर में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपाल व जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष,बाबागंज विधायक विनोद सरोज के नेतृत्व में पूर्व प्रमुख बाबागंज मनोज शुक्ला,वर्तमान ग्राम प्रधान ग्रामपंचायत रामनगर अमित शुक्ला के घर पर कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ।कार्यक्रम में पहुंचे एमएलसी व विधायक का पूर्व प्रमुख मनोज शुक्ला व प्रधान अमित शुक्ला (बब्बू)ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।कार्यक्रम में पहुंचे जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं का प्रधान अमित शुक्ला (बब्बू)ने अंगवस्त्रम प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान एमएलसी अक्षय प्रताप व विधायक बाबागंज विनोद सरोज ने उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए कुंडा बाबागंज को जनसत्ता दल का परिवार बताया। कहा कि जनसत्ता दल के मुखिया राजा भैया के नेतृत्व में हम सभी लोग लगातार क्षेत्र में विकास कार्यों को तरजीह देते रहे हैं। एमएलसी अक्षय प्रताप व विधायक विनोद सरोज ने ग्रामसभा रामनगर के जन समुदाय को कंबल प्रदान कर कार्यक्रम का शुरूआत किया।इसके बाद कार्यक्रम में आए हुए ग्रामसभा की महिला पुरुष माताओं,बहनों, बुजुर्गों, को मिलाकर लगभग 400 लोगों को कंबल प्रदान किया गया।कम्बल पाकर ग्रामसभा वासियों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान लोक संगीत का भी कार्यक्रम का समागम देखने को मिला। मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष पति कुलदीप पटेल, विनोद पटेल, बबलू सिंह बछरौली, पूर्व प्रमुख पंकज सिंह, वर्तमान प्रमुख बाबागंज रामयश सरोज, प्रधान प्रतिनिधि महराज पुर पिंटू मिश्रा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

रामलला प्राणप्रतिष्ठा वर्षगांठ पर निकाली गई शोभा यात्रा

अखंड भारत संदेश

कुंडा। अयोध्या में भगवान रामलला के प्राणप्रतिष्ठा वर्षगांठ के मौके पर सनातनी सुमित मटियारी के नेतृत्व व आयोजन में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई।जिसमें हजारों की संख्या में सनातनी हिंदू सम्मिलित हुए।इस दौरान मोटर साइकिलों व चार पहिया वाहनों का लगभग एक किलोमीटर लंबा काफिला देखने को मिला।इस यात्रा को यात्रा मार्ग पर भरपूर समर्थन भी प्राप्त हुआ।यात्रा के दौरान राम भक्तों ने जय श्री राम का उद्घोष किया तो मानों आकाश गुंजायमान हो उठा। गगनचुंबी जय श्री राम के जयकारों के बीच चलती यात्रा पटना नहर चैराहे से शुरू होकर डेरवा बाजार, चैरास, वाया भगौतीगंज से हनुमान मंदिर राजापुर बाजार लगभग 15 किलोमीटर लंबा सफर तय करते हुए हनुमान मंदिर राजापुर बाजार पहुंची। जहां पर हनुमान चालीसा व हनुमान जी की आरती के उपरांत प्रसाद वितरण कार्यक्रम के साथ यात्रा सम्पन्न हुई।शोभा यात्रा के दौरान थानाध्यक्ष महेशगंज राधेश्याम भारी भरकम फोर्स के साथ यात्रा के साथ चलते रहे। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि महराज पुर पिंटू मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि ग्रामपंचायत रोर संतोष पांडेय, राष्ट्रीय युवा क्रांति के संस्थापक धीरज ओम मिश्र, पत्रकार अवधेश चंद्र पांडेय, रवि ओझा, रोमी तिवारी, जिलाजीत, विकास मिश्रा, युवा समाजसेवी डीहबलई आदर्श पांडेय, सवर्ण आर्मी प्रदेश सचिव पवन मिश्रा, प्रिंस पांडेय, बबलू शुक्ला पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अभिनव त्रिपाठी, दीपक मिश्रा, समेत क्षेत्र समाज के सैकड़ों रामभक्त सनातनी युवा बुजुर्ग जन मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सभी कार्यालयों में दिलायी जायेगी मतदाता शपथ

स्कूल व शैक्षणिक संस्थाओं में निबन्ध, वाद-विवाद, ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता का होगा आयोजन

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य प्रजापति ने बताया है कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या अथवा दिनांक 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के दिन स्कूल व शैक्षणिक संस्थाओ में प्रजातांत्रिक मूल्यों के उत्प्रेरण हेतु माई इण्डिया, माई वोट विथ द टैगलाइन ऑफ सिटिजेन एट द हार्ट ऑफ इण्डियन डेमोक्रेसी के विषय पर विभिन्न गतिविधियों यथा निबन्ध, वाद-विवाद, ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जनपद के सभी कार्यालयों में आयोग के निदेर्शानुसार समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी जायेगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समस्त विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष को निर्देशित किया है।

धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीराम का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव

अखंड भारत संदेश

लालगंज। मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण होने के बाद उसमें भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ यहां लालगंज तहसील क्षेत्र में धूमधाम व उत्साहपूर्वक मनायी गयी। मंदिरों व घरों में भगवान श्रीराम का विधिविधान से पूजन अर्चन किया गया। वहीं क्षेत्र में जगह जगह भण्डारे का आयोजन हुआ। भगवान श्रीराम के जयघोष से इलाका सुबह से देर शाम तक गुंजायमान दिखा। लालगंज क्षेत्र के पूरे तिलकराम में सनातनियों ने भगवान श्रीराम का पूजन कर भण्डारे का आयोजन किया। भण्डारे में श्रद्धालुओं को खिचड़ी प्रसाद ग्रहण कराया गया। वहीं श्रद्धालु भगवान श्रीराम के भजन संकीर्तन में भी रमे दिखे। संयोजन संयुक्त अधिवक्ता समिति के पूर्व महामंत्री सुशील शुक्ल ने किया। इस मौके पर ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विकास मिश्र, संतोष पाण्डेय, दीपेन्द्र तिवारी, सिंटू मिश्र, अरूण ओझा, प्रधान प्रमोद सरोज आदि रहे। वहीं कस्बा स्थित बीओआई बैंक के सामने व्यापारी अरविन्द सिंह व सुनील सिंह के संयोजन में भण्डारे का आयोजन हुआ। भण्डारे में शामिल हुए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने भी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर दिनेश सिंह, सत्यम सोनी, हरीश सिंह, विनोद सिंह, अनिल सिंह, धीरेन्द्र कौशल, पवन सिंह आदि शामिल रहे। वहीं रानीगंज कैथौला में जयप्रकाश केसरवानी के संयोजन में भण्डारे का आयोजन हुआ। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारे में प्रधान ददन सिंह, अमरनाथ केसरवानी, रमेश केसरवानी, तीरथ मोदनवाल आदि ने सहयोग किया।

राष्ट्रीय योगी सेना में महेंद्र सिंह चौहान को मिली जिम्मेदारी, खुशी

पट्टी। तहसील क्षेत्र के लौवार गांव निवासी महेंद्र सिंह चैहान को राष्ट्रीय योगी सेना में जनपद प्रतापगढ़ का जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही समर्थकों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर हरिओम शुक्ला, प्रभात, श्याम मिलन सिंह, राज सिंह, दुर्गेश पांडे, बृजेश सिंह राठौड़, वाहिद अली सहित अन्य लोगों ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया और महेंद्र सिंह चैहान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।लोगों ने उम्मीद जताई कि महेंद्र सिंह चैहान संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ सामाजिक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति को लेकर गांव व आस-पास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

डीएम ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेश

तिल्हापुर मोड़ कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने गुरुवार को गॉव की समस्या गॉव में समाधान के तहत विकास खण्ड नेवादा की ग्राम-जरैनी में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने, पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने,राशन मिलने,कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित कर दिया जाय। उन्होंने ग्रामवासियों से पूॅछा कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं या नहीं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, बच्चों को पाठय पुस्तक का वितरण हुआ या नहीं तथा ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं कि नहीं, जिस पर ग्रामवासियो ने बताया कि अध्यापक विद्यालय समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी करते हैं। उन्होंने खण्ड शिक्षाधिकारी से कहा कि शेष बच्चों के अभिभावकों के खाते में धनराशि शीघ्र हस्तान्तरित कर दिया जाय। उन्होंने ग्रामवासियों से गांव के सबसे नजदीक स्थित सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की,जिस पर ग्रामवासियों ने बताया कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है।जिलाधिकारी ने ग्रामवासियो से नजदीकी पशु चिकित्सालय से उपलब्ध सुविधाओ की जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि कैम्प लगाकर पशुओं का टीकाकरण कराया जाय। उन्होंने ग्राम में गठित स्वयं सहायता समूह की जानकारी प्राप्त करते हुए बी.एम.एम. एवं खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि और समूह का गठन किया जाय तथा समूह की महिलाओं को छोटे-छोटे उद्यम के माध्यम से उत्पाद तैयार करने के लिए उन्हें जागरूक करते हुए ब्राण्डिंग एवं मार्केटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभाथियो-रामदास, शिवप्रसाद पाल, अमरनाथ सिंह, रमेश चन्द्र, वीरेन्द्र कुमार व संगीता यादव को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया इसके साथ ही उन्होंने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को भूमि चिन्हित कर खेल का मैदान बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने ग्रामवासियों से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कराए गए सर्वे में ग्राम में 24 लोग पात्र पाए गए हैं, जिनको शीघ्र ही लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने की भी अपील की अधिशासी अभियंता,जल निगम ने कहा कि ग्राम में जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत जून, 2026 से जलापूर्ति शुरू हो जाएगी।ग्राम चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि सायं में विद्युत कट जाती है,जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को रोस्टर का अवलोकन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों की जानकारी देकर लाभ उठाने की अपील की।

बाल अपचारी को करारी पुलिस ने अभिरक्षा में लिया

करारी कौशांबी करारी थाना क्षेत्र के एक गांव से 22 जनवरी को एक दलित नाबालिक बालिका को एक नाबालिग युवक भगा ले गया था परिवार के लोगों के तमाम प्रयास के बाद बालिका बरामद हुई और पुलिस ने आरोपी नाबालिग युवक को भी अपने अभिरक्षा में ले लिया है करारी थाना पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ बरामद दलित नाबालिक बालिका का पुलिस ने मेडिकल चेकअप कराया है पीड़िता के बयान व साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 65(1) बीएनएस व ३ पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी हुई उपरोक्त क्रम मे थाना करारी पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया है विधिक कार्यवाही के पश्चात बाल अपचारी को न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया।

न्यूज झरोखा

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन वॉलीबॉल प्रतियोगिता और कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित

विश्वनाथ प्रसाद महाविद्यालय मूरतगंज ने टीमों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया

हररायपुर कौशांबी। विश्वनाथ प्रसाद महाविद्यालय मूरतगंज में चल रहे तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को वॉलीबॉल प्रतियोगिता और कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई विद्यालय के विद्यार्थियों ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता और कबड्डी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन किया जिसे देखने के लिए दर्शकों से पूरा मैदान भरा रहा उपस्थित लोग लगातार ताली बजाकर खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते रहे वॉलीबॉल प्रतियोगिता में मान सिंह इंटर कॉलेज की टीम विजई रही एवं कबड्डी बॉयज प्रतियोगिता में महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज की टीम ने 13 पॉइंट से विजय प्राप्त की वही गर्ल्स कबड्डी प्रतियोगिता में भी महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज अलामचंद की टीम ने 3 पॉइंट से विजय प्राप्त की खेल के इस मैदान में विद्यार्थियों का उत्साह देखते बनता था इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अखिलेश जयसवाल प्रबंधक रामबाबू केसरवानी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद केसरवानी संचालक हरिओम केशरवानी हर्षित केशरवानी जयप्रकाश सिंह मानसिंह इंटर कॉलेज के अध्यापक गिरजेश नारायण पाण्डेय महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज के अध्यापक अनिल द्विवेदी एवं महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण ने दोनों टीमों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर पुरस्कृत किया।

श्रीराम जानकी मंदिर में विधिविधान से हुई श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा

टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी सिराथू तहसील क्षेत्र के टेढ़ीमोड़ अन्दावां स्थित श्रीरामजानकी मंदिर राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिग्रहण में टूट गया था। जिसके बाद मंदिर के पुजारी ब्रम्हचारी ने श्रीरामजानकी मंदिर का पुनः जीर्णोधार कर गुरुवार को सुंदर कांड का पाठ का आयोजन किया अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर में मूर्ति स्थापना के भी दूसरी वर्षगांठ का भी जश्न मनाया गया है उसके बाद विधिविधान से पूजन कर भगवान श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा करते हुए हवन पूजन किया। उसके बाद मंदिर समिति से जुड़े श्रद्धालुओं ने भंडारे का आयोजन कर सभी को प्रसाद ग्रहण कराया। कार्यक्रम में कस्बे के श्रद्धालुओं के साथ साथ कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र सरोज,आनंद मोहन पटेल,अमरीश पांडेय,सचिन केसरवानी,जितेंद्र पाल सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

भरवारी कस्बे में एक सप्ताह होगा श्री राम कथा का आयोजन

भरवारी कौशांबी भरवारी नगर क्षेत्र में श्री राम कथा का आयोजन भव्य रूप से कथा वाचिका द्वारा किया जाएगा अनुपम लोक कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में संगीत मय श्री राम कथा का आयोजन 23 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन 3:00 बजे शाम से 7:00 रात तक योग केंद्र श्री राम वाटिका रावण मैदान के सामने भरवारी में कथा वाचिका अनुपमा रामायणी द्वारा किया गया है श्री राम कथा के आयोजक संयोजक श्री हनुमान जी महाराज होंगे प्रतिदिन सुबह 5:30 से 7:00 तक योग शिक्षकों द्वारा योग भी कराया जाएगा चलने में असमर्थ कथा प्रेमियों के लिए संस्कृत पाठशाला रेलवे फाटक के पास मेहता रोड से श्री राम कथा स्थल तक साधन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा निशुल्क की गई है।

देशी विदेशी शराब बियर एवं भॉग तथा एफ0एल0-16/17 की दुकानें 26 जनवरी को रहेंगी बन्द

कौशांबी। जिला आबकारी अधिकारी राजेश प्रसाद ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश देशी शराब/विदेशी मदिरा एवं बियर का व्यवस्थापन नियमावली यथा संशोधित एवं उत्तर प्रदेश आबकारी लाइसेंस (टेण्डर एवं नीलाम) नियमावली-1991 (यथा संशोधित) के अनुपालन में जनपद-कौशाम्बी की देशी शराब/विदेशी मदिरा/बियर एवं भॉग तथा एफ0एल0-16/17 की समस्त दुकानें 26 जनवरी 2026 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पूर्ण रूप से बन्द रहेंगी। इस बन्दी के लिये अनुज्ञापियों को किसी प्रकार का प्रतिफल देय नहीं होगा। उन्होंने सभी आबकारी निरीक्षकों को आदेश का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जन्म देने वाली मां ने छह माह के बच्चे को बेचा बच्चा बरामद कर पुलिस ने मां समेत दो को किया गिरफ्तार

कौशांबी। अपने 6 माह के बच्चे को मां ने बेच दिया था पुलिस ने बच्चे को बरामद करने के बाद मां समेत दो लोगों को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया है पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र से 21 जनवरी को महिला ममता ने अपने 6 माह के बच्चे को बेच दिया पति बृजेश कुमार पुत्र सुकुरु निवासी खरौना थाना पश्चिम शरीरा ने थाने में सूचना दी सूचना पर थाना पर मु0अ0सं0 12/2026 धारा 143(4) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत हुआ घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के द्वारा टीम गठित कर बच्चे की सकुशल बरामदगी एवं हेतु निर्देशित किया गया उपरोक्त के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस ने सर्विलांश व तकनीकी साधनों का प्रयोग करते हुए दिनांक 22.01.2026 को बच्चे को ग्राम टेवा के पास तिराहा से सकुशल बरामद किया तथा घटना में संलिप्त दो महिला अभियुक्त. ममता देवी पत्नी बृजेश कुमार निवासनी खरौना थाना पश्चिम शरीरा वा अनिता शुक्ला पत्नी श्याम कुमार शुक्ला निवासनी 145/1 अ जयरामपुर संगम कुंज कालोनी थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया तथा 22700 रुपये बरामद किया गया पूछताछ पर अभियुक्त ममता देवी ने बताया कि मुझे पैसे की आवश्यकता थी जिस कारण से मैने अनिता शुक्ला के माध्यम से अपने लड़के को एक अज्ञात व्यक्ति को 95000 रुपये में बेच दी थी जिसमे से 22700 रुपये बचे हैं। शेष पैसे खर्च हो गयें।

ब्लाक मूरतगंज में रोजगार मेले का आयोजन 24 जनवरी को

कौशांबी। शिक्षित अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ब्लाक स्तर पर जिला सेवायोजन कार्यालय राजकीय आई0टी0आई0 एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को ब्लाक परिसर नेवादा में एक दिवसीय अप्रेण्टिसशिप/रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की 02 कंपनियों ने चयन की कार्यवाही करते हुए एस0आई0एस0 सिक्योरिटी लि0 ने 04 चयन तथा कृष्णा मारूति ने 15 चयन किये। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने देते हुए बताया कि दिनांक 24 जनवरी को ब्लाक परिसर मूरतगंज में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यथी प्रतिभाग कर सकते हैं।

पीड़िता को करारी पुलिस ने किया बरामद

कौशांबी करारी थाना क्षेत्र से 13 जनवरी को नाबालिग लड़की को अभियुक्त निरहुआ बहला फुसलाकर भगा ले गया है सूचना पर थाना पर मु0अ0सं0 07/2026 धारा 137(2)/87/352 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत हुआ घटना की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक के द्वारा टीम गठित कर पीड़िता की सकुशल बरामदगी हेतु निर्देशित किया।वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशन में थाना करारी पुलिस ने सर्विलांश व तकनीकी साधनों का प्रयोग करते हुए पीड़िता की बरामदगी कर विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

अयोध्या के श्री राम मंदिर के दूसरे वर्षगांठ पर तिल्हापुर मोड़ में भंडारे का आयोजन

व्यापारियों के कीर्तन भजन के साथ सुंदरकांड का पाठ विशाल भंडारे में शामिल हुए सैकड़ो महिला सैकड़ो पुरुष बच्चे बूढ़े

कौशांबी। अयोध्या में भगवान श्री राम की मंदिर निर्माण और मूर्ति स्थापना के दो वर्ष पूर्ण होने पर क्षेत्र के व्यापारियों ने भक्तिभाव से भजन कीर्तन पूजन का कार्यक्रम आयोजित कर भंडारे का आयोजन किया है प्रभु श्री राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा मूर्ति स्थापना के दूसरे वर्षगांठ पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जगह-जगह पर भंडारे का आयोजन भक्तों द्वारा किया गया है चायल तहसील क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ चौराहे पर व्यापारियों ने गुरुवार को कीर्तन भजन के साथ-साथ सुंदरकांड का पाठ कर बजरंगबली की पूजा अर्चना किया ढोलक हारमोनियम तबले की मधुर ध्वनि पर कीर्तन भजन और सुंदरकांड के पाठ ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है प्रभु श्री राम के जयकारे से पूरा वातावरणगूंज उठा पूजन अर्चन यज्ञ हवन और पाठ के बाद व्यापारियों ने तिल्हापुर मोड़ चौराहे पर विशाल भंडारे का आयोजन किया इस भंडारे में सोनू केसरवानी राजन केसरवानी अंशु केसरवानी अंकित गुप्ता राकेश गुप्ता दिनेश गुप्ता शेरू केसरवानी संजय केसरवानी श्री श्याम केशरवानी कमलेश केशरवानी संदीप शुक्ला विजय सिंह सहित तमाम व्यापारी कीर्तन भजन पूजन और भंडारे में शामिल हुए हैं भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने में इलाके के सैकड़ो महिला और सैकड़ो पुरुषों के साथ-साथ बच्चे बूढ़े भी शामिल हुए और भगवान श्री राम का प्रसाद ग्रहण किया श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे वर्षगांठ पर भजन कीर्तन का आयोजन बृजेंद्र केसरवानी वा उनकी मंडली में शामिल राज केसरवानी संतोष कश्यप राहुल सरगम रोहित कश्यप आदि कलाकारों द्वारा किया गया है जिन्होंने उपस्थित भक्तगणों का मन मोह लिया है।

80 परीक्षा केदो में 45 हजार से अधिक विद्याथी बोर्ड परीक्षा में होंगे शामिल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2026 के अंतर्गत परीक्षा के लिए कौशांबी जनपद में 80 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं कौशांबी जिले के परीक्षा केंद्रो में 45687 परीक्षाथी बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार ने पूरी तैयारी कर ली है 18 फरवरी से कड़ी निगरानी में बोर्ड परीक्षाएं शुरू होंगी और 12 मार्च तक बोर्ड परीक्षाएं होंगी उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा के पूर्व प्रैक्टिकल परीक्षा 2 फरवरी से 9 फरवरी तक विद्यालयों में आयोजित होगी गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षा 2026 में इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में 21500 परीक्षार्थी और हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा में 24187 परीक्षार्थी शामिल होंगे इसके लिए परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक और कक्ष निरीक्षकों की तैनाती के लिए औपचारिकताएं पूरी हो गई है उन्होंने कहा की नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराई जाएगी और परीक्षा केदो के भीतर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं नकल माफियाओं की कमर तोड़ी जाएगी।

पशु चिकित्सा सचल वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर डीएम ने किया रवाना

खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान के तहत गांव में पशुओं का किया जाएगा टीकाकरण

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान के तहत बहुउद्देशीय पशु चिकित्सा सचल वाहनों को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान का सतवां चरण प्रारम्भ किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त गौवंशी पशुओं एवं महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण (04 माह से छोटे एवं 08 माह से ऊपर ग्याबन पशुओं को छोड़कर) किया जाना है। खुरपका-मुंहपका एक विषाणु जनित संक्रामक रोग है,जिसके संक्रमण में आ जाने के उपरान्त पशु को तेज बुखार आता है, मुंह से लार गिरती है, मुंह एवं पैरों में छाले पड़ जाते है, पशु चारा खाना छोड़ देता है, दुग्ध उत्पादन घटते-घटते शून्य हो जाता है। ग्याबन पशु बच्चा गिरा देती है और अगर सही समय पर उपयुक्त इलाज नही दिया गया, तो पशु की मौत भी हो जाती है। इस रोग से विदेशी नस्ल की गाय ज्यादा प्रभावित होती है। इस रोग से बचाव के लिए टीकाकरण मात्र एक उपाय है। राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम, केन्द्र सरकार द्वारा पोषित है एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित किया जाता है। समस्त पशु पालकों के द्वार पर, उनके पशुओं में निःशुल्क टीकाकरण किया जाता है मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में टीकाकरण से पूर्व कान में छल्ला डलवाना अनिवार्य है। टीकाकरण उपरान्त टीम द्वारा आपके पशुओं में किये गये टीकाकरण को भारत पशुधन एप पोर्टल पर अपलोड किया जाना है, जिसके उपरान्त ही टीकाकरण कमी को उसके मानदेय दिये जाने का प्राविधान है। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की है कि पशुपालन विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, जो 45 दिनों तक चलेगा, के दौरान टीका कमियों का सहयोग करते हुये अपने समस्त पशुओं में टीका लगवाये एवं टीकाकरण कार्य से पूर्व ईयर टैग (छल्ला) अवश्य लगवायें। अपने गाँव में टीकाकरण की तारीख जानने के लिए अपने ग्राम प्रधान अथवा विकास खण्ड पर स्थित पशु चिकित्साधिकारियों से सम्पर्क करें।

क्षेत्राधिकारी द्वारा किया गया थाना कौशाम्बी का त्रैमासिक निरीक्षण

कौशांबी। क्षेत्राधिकारी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय द्वारा थाना कौशाम्बी का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीओ द्वारा थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष,शस्त्रागार, अभिलेखों एवं परिसर की साफ-सफाई का गहन अवलोकन किया गया।निरीक्षण के क्रम में सीओ द्वारा थाना क्षेत्र में पंजीकृत अपराधों, लंबित विवेचनाओं, टॉप-10 अपराधियों, वांछित /वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी निरोधात्मक कार्यवाही, महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों, साइबर अपराधों तथा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई विवेचनाओं के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा अभिलेखों के रख-रखाव मालखाने के सुव्यवस्थित संचालन, शस्त्रों की स्थिति, हवालात की सुरक्षा व्यवस्था एवं महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान देते हुए सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही थाना परिसर में स्वच्छता बनाए रखने,आमजन के साथ शालीन व्यवहार,समयबद्ध शिकायत निस्तारण तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के संबंध में निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित समस्त पुलिस कर्मियों को अनुशासन सतकर्ता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया।

कानपुर से प्रयागराज जा रही बोलेरो दुर्घटना ग्रस्त पांच लोग घायल

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के जयसवाल ढाबे के पास आधी रात को बोलेरो सवार को तेज गति वाहन ने टक्कर मार दिया है वाहन की टक्कर लगने के बाद डिवाइडर से टकराकर बोलेरो पलट गई जिससे बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गई बोलोरो में सवार चालक समेत पांच लोग घायल हो गए हैं घटना की जानकारी मिलते ही आधी रात को थाना पुलिस पहुंची है और घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेजा है घटना की जानकारी परिवार के लोगों को मिली तो परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक वीर सिंह पुत्र प्रताप निवासी निमिया खेड़ा थाना सजेती जनपद कानपुर बोलोरो वढ78खख9143 से बुधवार की रात में कानपुर से प्रयागराज जा रहे थे बुधवार रात लगभग 11:00 बजे जैसे ही बोलेरो सवार कोखराज थाना क्षेत्र के जयसवाल होटल के सामने पहुंचे अज्ञात वाहन द्वारा बोलोरो में टक्कर मार दिया जिससे बोलोरो गाड़ी डिवाइडर पर जाकर टकरा गई जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई वाहन में सवार ड्राइवर वा प्रशांत कुमार पुत्र देवेंद्र सिंह ग्राम चांदपुर पोस्ट बड़वारा थाना सचेती जनपद कानपुर व अनुष्का पुत्री गंगा प्रसाद उत्तरीपुरा थाना बिल्हौर कानपुर हर्षिता पुत्री राजेश द्विवेदी शांति नगर थाना कैंट जनपद कानपुर ,शिखा पुत्री देवलाल पाल निवासी कानपुर घायल हो गए हैं मौके पर चीख पुकार सुनकर होटल में मौजूद लोगों समेत आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से अस्पताल भेजा है दुर्घटना की जानकारी जैसे ही परिवार के लोगों को मिली परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं।

ब्लैक का अभ्यास एवं मॉकड्रिल 23 जनवरी को

कौशांबी। युद्ध की स्थिति में हवाई हमले के दौरान घरों,प्रतिष्ठानों और लोगों की सुरक्षा के लिए होने वाले ब्लैक आउट का अभ्यास एवं मॉकड्रिल 23 जनवरी को पुलिस लाइन में किया जाएगा। प्रशासन द्वारा सभी तैयारी कर ली गई है। आसपास के क्षेत्र में शाम छह बजे से 10 मिनट के लिए लाइटें बंद कर दी जाएंगी। हवाई हमले के दौरान ब्लैक आउट से नुकसान को कम किया जा सकता है, इसके लिए प्रकाश के स्रोत बंद रखे जाते हैं। रात के समय विद्युत आपूर्ति रोक दी जाती है। यदि कभी ऐसी स्थिति हो तो लोग परेशान न हों, इसके लिए शासन के आदेश पर प्रशासन ने ब्लैक आउट अभ्यास कराने का निर्णय लिया है।यह जानकारी अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह ने देते हुए लोगों से अपील की है कि वे दिनांक 23 जनवरी, 2026 की शाम 06 बजे से 06:10 बजे तक अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों की लाइटों को बंद रखें, जिससे बाहर प्रकाश दिखाई न दें।

योजनाबध्य की गई युवक की हत्या को गैर इरादतन हत्या बनाकर थाना पुलिस ने हत्यारों को पहुंचाया लाभ

हत्या करने की नियत से खिलाया जाता है जहर थाना पुलिस को यह नहीं है मालूम, प्रेमजाल में फसा कर पहले ले ली बीस लाख की संपत्ति फिर जहर खिलाकर युवक को उतारा था मौत के घाट

कौशांबी। पुलिस अफसर चाहे जितने कठोर निर्देश दे लेकिन थाना पुलिस अपने आदत में सुधार करती नहीं दिख रही है अपराधियों को संरक्षण देकर धन वसूल करने में थाना पुलिस को महारत हासिल है ताजा मामला थाना करारी क्षेत्र का है जहां योजना बनाकर 13 अप्रैल 2025 की रात को शिवनारायण पुत्र श्रीपाल लोध को जहर खिलाकर के उसकी हत्या कर दी गई थी जहर देकर हत्या करने वाले हत्यारों को गैर इरादतन हत्या में जेल भेजकर हत्यारों को राहत देने का काम करारी थाना पुलिस ने किया है एक महीने पूर्व पुलिस ने खिलाड़ी को जेल भेज दिया था और 21 जनवरी को गुड्डू पुत्र खिलाड़ी और सरोजा देवी पत्नी गुड्डू निवासी भैला मखदुमपुर थाना करारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है हत्या में आजीवन कारावास की सजा है और गैर इरादतन हत्या के मामले में 5 वर्ष या 10 वर्ष की सजा है इस बात का लाभ हत्यारों को मिले इसका पूरा प्रयास थाना पुलिस ने किया है थाना पुलिस के कारनामे पर सवाल खड़े हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने जहर दे दिया है तो सीधी सी बात है कि वह हत्या करने के लिए ही जहर खिलाएगा व्यक्ति को मौत देने के लिए जानबूझकर जहर दिया जाता है गलती से जहर नहीं दिया जाता है और जानबूझकर जहर दिया गया है तो योजनाबद्ध हत्या हुई है लेकिन इस मामले में थाना पुलिस ने पूरी तरह से खेल कर दिया है थाना पुलिस के इस गिरफ्तारी में यदि पुलिस अधिकारियों ने पूरे प्रकरण की विंदुवार जांच कराई तो थाना पुलिस के कारनामे उजागर होंगे।

सीएमओ के नेतृत्व में सीएचसी आलमचंद में महिला नसबंदी शिविर का आयोजन

हररायपुर कौशांबी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलमचंद में गुरुवार को आयोजित महिला नसबंदी शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय कुमार के मार्गदर्शन एवं जन-स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध नेतृत्व में किया गया।सीएमओ द्वारा गुणवत्ता, सुरक्षा अनुशासन एवं लाभाथी-केन्द्रित सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने के कारण यह शिविर पूर्णतः हुआ शिविर में संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुरक्षा,समयबद्ध सेवाएँ,एवं पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया गया। इसके परिणामस्वरूप कुल 48 नसबंदी लाभाथी महिलाओं की सुरक्षित, सफल एवं जटिलता-रहित सजरी सम्पन्न कराई गई, जो राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शिविर का संचालन मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ कुश शर्मा के नेतृत्व में किया गया। उनके प्रभावी समन्वय एवं सतत मॉनिटरिंग से सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित रहीं। सभी शल्य क्रियाएँ अनुभवी सीनियर सर्जन डॉ तेज एवं डॉ आशीष द्वारा सरकारी प्रोटोकॉल एवं उच्चतम चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप सम्पन्न की गई।नर्सिंग एवं पैरामेडिकल टीम ने प्री-ऑपरेटिव तैयारी से लेकर पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल तक उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कीं, जिनमें बबीता रानी दुबे अनुराधा प्रमिला बिट्टो देवी कमल सिंह का योगदान रहा।लेबर रूम एवं पोस्ट-ऑपरेटिव मॉनिटरिंग डॉक्टर स्वास्तिक राज द्वारा प्रभावी रूप से सुनिश्चित की गई।समुदाय स्तर पर आशा संगिनी एवं फील्ड वर्कर्स ने घर-घर संपर्क कर महिलाओं को परिवार नियोजन के लाभों के प्रति जागरूक किया, जिससे व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हुई। ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम समन्वय एवं लॉजिस्टिक सपोर्ट में चंद्रकांत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सजरी के पश्चात सभी लाभाथियों को 108/102 एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से सुरक्षित रूप से उनके घरों तक पहुँचाया गया, जिसका समन्वय ओम प्रकाश द्वारा किया गया।समग्र रूप से सीएमओ के सशक्त नेतृत्व और जिला-स्तरीय मार्गदर्शन ने इस शिविर को गुणवत्ता-पूर्ण स्वास्थ्य सेवा, सुशासन एवं जन-हित का आदर्श मॉडल बनाया। यह आयोजन मातृ स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण एवं परिवार नियोजन लक्ष्यों की प्राप्ति में सीएचसी आलमचंद की एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

गैंगेस्टर एक्ट में दो सगे भाइयों को करारी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी करारी थाना पर गैंग लीडर मसूद पुत्र मकसूद निवासी अमीनपुर सवरों थाना करारी व उसके गैंग के 02 अन्य साथियों के विरुद्ध मु0अ0सं0 15/26 धारा 2/3 उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट 21 जनवरी को पंजीकृत हुआ इनके द्वारा अपने गैंग के साथियों के साथ मिलकर आर्थिक,भौतिक एवं दुनियाबी लाभ हेतु जानलेवा हमला करने जैसे अपराध कारित किए गए थे अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु राजेश कुमार पुलिस अधीक्षक द्वारा टीमों का गठन कर निर्देशित किया गया दिनांक 22.01.2026 को थाना करारी पुलिस वांछित वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चेकिंग कर रही थी करारी पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मसूद वा अनस पुत्रगण मकसूद अहमद निवासी अमीनपुर सवरों थाना करारी को ग्राम फरीदपुर सवरों रोड के पास से गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया हैं।

बेटे का इलाज कराने गई शिक्षक के बंद घर से सात लाख का जेवर नगदी उठा ले गए चोर

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के भरवारी कस्बे के मेहता डिग्री कॉलेज के सामने एक शिक्षक के बंद घर का ताला तोड़कर घर के अंदर से सात लाख रुपए कीमत का जेवर नगद रुपए आदि सामान चोर गिरोह उठा ले गए हैं शिक्षक अपने बेटे का इलाज कराने इलाहाबाद गई थी गुरुवार की सुबह दरवाजा खुला देखकर पड़ोसी ने उनके फोन से सूचना दी मौके पर वापस लौटी शिक्षक ने मामले की सूचना पुलिस को दी है। जानकारी के मुताबिक परिषदीय विद्यालय में शिक्षिका कमला देवी पत्नी स्वगीय चंदन लाल मेहता डिग्री कॉलेज के पास घर बना कर रहती हैं 16 जनवरी को उनका बेटा प्रांजल 11 वर्ष और उनके देवर लल्लन सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे बेटे के घायल होने के बाद अपने घर में ताला बंद करके कमला देवी बीते एक सप्ताह से अपनी दो बेटियों यशी और स्वाती के साथ इलाहाबाद के निजी अस्पताल में बेटे का इलाज करवा रही है जिसके चलते उनके घर में ताला बंद हो गया था सूना घर देखकर चोर गिरोह सक्रिय हुए और बीती रात मुख्य गेट के दरवाजे का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए और घर के दो कमरों में पलंग अलमारी बक्सा कर ताला तोड़कर 6 लाख रुपए कीमत का लगभग सोने चांदी के जेवर और 50 हजार रुपए नगद रुपए चोर उठा ले गए हैं घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है सुबह घर का दरवाजा खुला देखकर पड़ोस के लोगों ने मामले की सूचना शिक्षिका को फोन के जरिए दिया चोरी की जानकारी मिलते ही शिक्षिका अपने घर पहुंची जहां दो कमरे में सामान बिखरा हुआ था और घर के अंदर से जेवर नगद रुपए गायब थे उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी है।

लॉटरी के माध्यम से चयनित होंगे उड़द मूंग के मिनी किट के लिए किसान

कौशांबी। जायद की फसल में किसानों के खेतों में उड़द और मूंग के फसलों की पैदावार बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार के निर्देश पर उप कृषि निदेशक सत्येंद्र कुमार तिवारी द्वारा जिले में उड़द और मूंग के मिनी किट के पैकेट का वितरण कराया जा रहा है उप कृषि निदेशक ने बताया कि उड़द के मिनी किट के 100 पैकेट और मूंग के मिनी किट के 100 पैकेट किसानों को दिए जाएंगे जिससे उड़द और मूंग की खेती किसान आसानी से कर सके और उड़द मूंग की पैदावार बढ़ सके। उन्होंने बताया कि मूंग की मिनी किट की लॉटरी हो गई है 100 किसान को 4 किलो वजन का मिनी किट दिया जाएगा उड़द वितरण के लिए लॉटरी होना बाकी रह गया है जल्द ही लॉटरी करके उड़द बीज का वितरण किसानों के बीच किया जाएगा उन्होंने बताया कि उड़द बीज के मिनी किट के वितरण के लिए 100 किसान चयन किया जाना है और जल्द ही लॉटरी के माध्यम से किसानों का चयन कर लिया जाएगा उन्होंने बताया कि उड़द का एक पैकेट मिनी किट में 4 किलोग्राम उड़द का बीज मौजूद रहेगा।

सम्पादकीय

ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराना ही बेहतर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को एक ऐसा प्रस्ताव मिला है, जिसे सरकार को फौरन नकार देना चाहिए। क्योंकि इसमें न केवल भारत की संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता पर खतरा खड़ा होगा, बल्कि घोर वैश्विक असंतुलन भी खड़ा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप गजा में शांति बहाल करने और स्थायी व्यवस्था निर्मित करने के लिए बनाए गए बोर्ड में भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका की तरफ से बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण आया है। 16 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा कि भारत की भागीदारी से मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक 'ऐतिहासिक और निर्णायक प्रयास' को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे 7 अक्टूबर 2023 से जारी गजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक नए और साहसिक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने 29 सितंबर, 2025 को गजा संकट को खत्म करने के लिए 20-बिंदुओं वाली योजना की घोषणा की थी, जिसे अरब देशों, इजरायल और यूरोप सहित कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे अनुमोदित किया था।

लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। असल में यह बोर्ड ऑफ पीस पूरी वैश्विक व्यवस्था को उलट-पुलट करने के इरादे से बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप इसके आजीवन अध्यक्ष रहेंगे, और वो हटते हैं तो उनके द्वारा नामित व्यक्ति ही उनका उत्तराधिकारी बनेगा। यानी अमेरिका अपनी चौधराहट अब नए तरीके से दिखा रहा है। इसके अलावा बोर्ड के जरिए केवल गजा तक नहीं बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की कमान संभालने का इरादा दिख रहा है।

ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में जब गजा के लिए एक 20-सूत्रीय शांति योजना प्रस्तावित की थी तो इसमें गजा को एक 'अस्थायी शासन' के अधीन रखा जाना था, जिसका प्रबंधन एक 'तकनीकी, गैर-राजनीतिक फिलिस्तीनी समिति' द्वारा किया जाता। जब संरा ने इस बोर्ड को मंजूरी दी, तो इसका कार्यकाल 2027 के अंत तक सीमित था और फोकस केवल गजा पर था। लेकिन बोर्ड का चार्टर अब विस्तारित हो चुका है। अब यह सिर्फ मध्यपूर्व की शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वैश्विक संघर्षों को सुलझाने' वाला एक 'नया अंतरराष्ट्रीय संगठन और अस्थायी शासन प्रशासन' के रूप में परिभाषित है। चार्टर में 'और संस्थाओं से अलग होने का साहस' पर जोर दिया गया है। यानी संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को खत्म कर, एक समानांतर व्यवस्था बनाने की चालाकी ट्रंप ने दिखाई है। बोर्ड का चार्टर 'संघर्ष से प्रभावित' या 'संघर्ष की धमकी वाले' क्षेत्रों में 'स्थायी शांति' पर फोकस करता है। जहां 'धमकी वाले' क्षेत्र की परिभाषा साफ नहीं है। वैसे भारत इस व्यवस्था से दूर ही रहे तो अच्छा है, क्योंकि चार्टर में लिखे 'संघर्ष की धमकी वाले क्षेत्र' जैसे अस्पष्ट शब्द भविष्य में कश्मीर जैसे मुद्दे पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप अभी पहलगाम के बाद ही किस तरह दखलंदाजी करने लगे हैं, ये सबने देखा है। भारत की हामी के बाद तो उन्हें कश्मीर पर बोलने का लाइसेंस ही मिल जाएगा।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

-ललित गर्ग-

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मयार्दा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक ह्लखेला होगाह्व के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।

एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरूआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाजों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है- रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है।

न्याय, गरिमा और एकजुटता का अनुपम संगम

सेंट्रल बार एसोसिएशन का भव्य शपथग्रहण समारोह सम्पन्न।

अखंड भारत संदेश

(गाजीपुर)। जनपद के मुहम्मदाबाद मुंसिफ न्यायालय परिसर उस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना, जब सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह अत्यंत भव्यता, गरिमा और अनुशासन के साथ सम्पन्न हुआ। न्यायिक मयार्दाओं, अधिवक्ता एकता और सेवा-भाव से ओत-प्रोत यह समारोह अधिवक्ता समाज के लिए नवचेतना, नवसंकल्प और नई दिशा का प्रतीक बन गया।

कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक प्रतिनिधियों और समाज के विशिष्टजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता को चार चाँद लगा दिए। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय (जनपद न्यायाधीश, गाजीपुर) रहे। उनकी उपस्थिति मात्र से ही न्याय, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की गंभीर अनुभूति सम्पूर्ण परिसर में परिलक्षित होती रही। विशिष्ट अतिथियों के रूप में माननीय शक्ति सिंह (अपर जिला जज, गाजीपुर), माननीय नूतन द्विवेदी (मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, गाजीपुर), माननीय रणजीत कुमार जायसवाल, माननीय मनोज कुमार यादव, माननीय हाजिक हुसैन अंसारी, उपजिलाधिकारी डॉ. हर्षिता तिवारी, क्षेत्राधिकारी सुधाकर पाण्डेय तथा समाजसेवी वीरेंद्र राय की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष ऊँचाई प्रदान की।

मुख्य अतिथि माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ ग्रहण के क्षण अत्यंत भावुक एवं प्रेरणादायक रहे। अधिवक्ताओं के चेहरे पर दायित्वबोध और आँखों में न्याय सेवा के प्रति अटूट संकल्प स्पष्ट झलक रहा था।

शपथ लेने वालों में अध्यक्ष दयाशंकर दुबे, महासचिव धनंजय राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिराम सिंह यादव एवं गोविंद नारायण सिन्हा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभास पाण्डेय एवं मनीष कुमार राय, सहसचिव आनंद प्रधान तथा कोषाध्यक्ष अवध बिहारी यादव शामिल रहे।

अपने प्रेरक एवं मार्गदर्शक संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि ह्लअधिवक्ता न्याय व्यवस्था की आत्मा होते हैं। उनका दायित्व केवल वादों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और समाज के कमजोर वर्गों की सशक्त आवाज बनना भी है।

एफ०एम०डी०सी०पी० टीकाकरण के सातवें चरण का जिलाधिकारी ने सचल दल वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर किया शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

भदोही। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत एफ०एम०डी०सी०पी० (खुरपका-मुंहपका रोग) टीकाकरण के सातवें चरण का शुभारंभ जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सचल दल वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि एफएमडीसीपी का टीका, जिसे खुरपका-मुंहपका रोग (थ्डक्ब्ब्) का टीका भी कहा जाता है, यह एक ऐसा टीका है जो पशुओं को एफएमडीसीपी नामक बीमारी से बचाने के लिए लगाया जाता है। एफएमडीसीपी एक गंभीर, अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है जो पशुधन को प्रभावित करता है।

इ्यूटी पर तैनात सिपाही पर जानलेवा हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

भदोही में कैदी को छुड़ाने की कोशिश, एक सिपाही गंभीर

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज (भदोही)।ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर कैदी को छुड़ाने की कोशिश के मामले में ज्ञानपुर पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में एक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

थाना ज्ञानपुर में तैनात आरक्षी

आशीष कुमार ने बताया कि 21 जनवरी 2026 को वह आरक्षी शशिकांत भारती के साथ थाना सुरियावां के अभियुक्त राजू पुत्र कल्लू उर्फ अनवर को रिमांड के बाद जिला कारागार दाखिल कराने जा रहे थे। रास्ते में अभियुक्त के परिजन गाली-गलौज व धमकी देकर उसे छुड़ाने का प्रयास कर रहे थे। किसी तरह अभियुक्त को जेल में दाखिल कराने के बाद दोनों सिपाही वापस लौट रहे थे।

रात करीब 9 बजे लखनो तिराहा के आगे पेट्रोल पंप से कुछ दूरी पर दो मोटरसाइकिलों से आए छह लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेर लिया। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए आरक्षी शशिकांत भारती को जमीन पर पटक दिया।

12 घंटे में बड़ी कार्रवाई, जमानियां पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश दबोचे

एक बदमाश घायल, अवैध तमंचे और नकदी बरामद

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। जनपद के थाना जमानियां पुलिस ने लूट और झपटमारी की घटनाओं में शामिल दो शातिर बदमाशों को महज 12 घंटे के भीतर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमानियां भेजा गया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस

और 15 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को प्रभारी निरीक्षक जमानियां अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ताजपुर और चितावनपट्टी के बीच लूट व झपटमारी करने वाले बदमाश किसी अन्य वारदात की फिराक में थाना क्षेत्र में मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया। भैदपुर से लहुवार रोड नहर तिराहे के पास खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

शैक्षिक सत्र 2026- 27 की तैयारी तेज, बाल मैपिंग को लेकर हुई समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

भदोही। शैक्षिक सत्र 2026ह्न27 के सुचारु और प्रभावी संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल की अध्यक्षता में बाल मैपिंग को लेकर एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला विकास अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में 1 अप्रैल 2026 तक छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों की शत-प्रतिशत बाल मैपिंग समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने पर

जोर दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि जनपद में कुल 32,170 बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे विकास खंडों और शहरी क्षेत्रों के अनुसार विभाजित किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि बाल मैपिंग का कार्य जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के समन्वय से विद्यालयों, शिक्षकों और नामित कर्मियों द्वारा घर-घर सर्वेक्षण के माध्यम से किया जाए।

ट्रम्प के चंगुल से ग्रीनलैंड को बचाने के लिए कितनी दूर जा सकता है यूरोपीय यूनियन?

नित्य चक्रवर्ती

यूरोप में कुछ और आवाजें भी हैं जो ट्रंप के ऐसा करने पर यूरोपीय देशों द्वारा अमेरिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती कब्जे का रास्ता अपनाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, ब्रूसेल्स में यूरोपियन पॉलिसी सेंटर के चीफ एग्जीक्यूटिव फेबियन जुलेग ने कहा कि अगर यूरोप एकजुट रहता है, तो वह ट्रंप को दिखा सकता है कि उनकी 'जैसे को तैसा' वाली जबरदस्ती की कीमत चुकानी पड़ेगी।

ग्रीनलैंड के भविष्य पर चर्चा के लिए वॉशिंगटन वार्ता बुधवार को विफल हो गई, जिसमें डेनमार्क और ग्रीनलैंड के विदेश मंत्री व्हाइट हाउस से यह संदेश लेकर घर लौटे कि ग्रीनलैंड सही मायने में अमेरिका का है और ट्रम्प इसके अधिग्रहण के समय पर फैसला करेंगे। अमेरिका को यूरोपीय यूनियन (ईयू) या नाटो में यूरोपीय सैनिकों की कोई परवाह नहीं है। अपने बड़े भाई अमेरिका से ऐसा थप्पड़ खाने के बाद, ईयू नेताओं ने गुरुवार को कुछ धमकी भरे बयान दिए, जिसमें सदस्य देशों के सैनिकों को ग्रीनलैंड के साथ सतर्क और चौकस रहने और डेनिश सैनिकों के नवीनतम अभ्यास, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस कहा जाता है, में सहयोग करने के लिए कहा गया।

यह सब दिखावा है। ट्रम्प भी जानते हैं कि ईयू नेता कितनी दूर तक जा सकते हैं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रो ने हमेशा बड़ी-बड़ी बातें की हैं, यह घोषणा करते हुए कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका कब्जा नहीं कर सकता, तथा डेनमार्क ईयू और नाटो का सदस्य है। अगर अमेरिका कोई आक्रमण करता है तो इस देश की रक्षा की जाएगी। लेकिन फ्रांसीसी अधिकारी पर्दे के पीछे से कोई ऐसा फॉर्मूला निकालने की कोशिश कर रहे हैं जो औपचारिक अधिग्रहण को छोड़कर ग्रीनलैंड पर अमेरिका को अतिरिक्त अधिकार दे। वेनेजुएला पर अमेरिकी आक्रमण और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़? के तुरंत बाद, ईयू राष्ट्र इस कार्रवाई के उतने विरोधी नहीं थे, बस उन्हें ट्रम्प की कार्रवाई के तरीके पर कुछ आपत्तियां थीं। लेकिन ग्रीनलैंड पर, छह यूरोपीय शक्तियों - फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, पोलैंड और यूके - के ईयू नेताओं ने एक दुर्लभ संयुक्त बयान जारी किया,

जिसमें डेनिश संप्रभुता के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की गई और, प्रभावी रूप से, ट्रम्प को ग्रीनलैंड से दूर रहने की चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड अपने लोगों का है- 'डेनमार्क और ग्रीनलैंड से जुड़े मामलों पर फैसला करने का अधिकार सिफ 'डेनमार्क और ग्रीनलैंड का है।

ग्रीनलैंड 1979 से एक अर्धस्वायत्त इलाका रहा है, लेकिन डेनमार्क का हिस्सा होने के नाते, इसकी रक्षा नाटो करता है। नाटो के नेता के लीडर के तौर पर, अगर रूस या चीन से कोई खतरा होता है, तो अमेरिका को अपने सैनिकों की सुरक्षा पक्का करने का कुछ अधिकार जरूर है। लेकिन सच तो यह है कि पहले के सालों में, डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड की संयुक्त रक्षा के लिए शीत युद्ध काल की संधियां लागू थीं।

उस दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसा कर सकता था, लेकिन इसके बजाय, पहले की अमेरिकी सरकारों ने 17 में से 16 मिलिटरी बेस बंद कर दिए, यह सोचकर कि ग्रीनलैंड के आसपास इतने सारे अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने की कोई जरूरत नहीं है। पहले की सरकारों को लगा कि रूस और चीन से कोई सुरक्षा खतरा नहीं है। सच तो यह है कि यह ताजा कदम आर्कटिक सागर में इस द्वीप की लोकेशन और बड़े प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की संभावना को देखते हुए अमेरिकी साम्राज्य को बढ़ाने की ट्रंप की अपनी कोशिश थी, जिसके लिए रूस और चीन भी मैदान में हैं। रूस और चीन दोनों ने नाटो को किसी भी सुरक्षा खतरे से इनकार किया है और कहा है कि उस जोन में उनकी पेट्रोलिंग समझौते और समुद्री कानूनों के अनुसार हो रही है और ग्रीनलैंड या वहां तैनात नाटो सेनाओं को कोई खतरा नहीं है। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के ट्रंप के प्रस्तावित कदमों से डेमोक्रेट्स गुस्से में हैं। उन्होंने ट्रंप के इस कदम का विरोध करने के लिए कांग्रेस सदस्यों के बीच एक प्रस्ताव पेश किया है। डेमोक्रेट्स का कहना है कि ट्रंप दो साल बाद चले जाएंगे, लेकिन नाटो में जो दरारें आई हैं और अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच बढ़ती खाई ने आपसी संबंधों को प्रभावित किया है, इसे जारी नहीं रहने देना चाहिए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हाल के दिनों में यूरोपीय देशों की ओर से एक डील मेकर के तौर पर ट्रंप से दो बार बात की। ब्रिटिश विदेश सचिव अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बात कर रहे हैं, लेकिन राजनयिक सूत्रों का मानना है कि व्हाइट हाउस के अधिकारी भी अनजान हैं। उन्हें ट्रंप की सोच और हर घंटे उसमें होने वाले बदलाव पर निर्भर रहना पड़ता है। यूरोप में कुछ और आवाजें भी हैं जो ट्रंप के ऐसा करने पर यूरोपीय देशों द्वारा अमेरिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती कब्जे का रास्ता अपनाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, ब्रूसेल्स में यूरोपियन पॉलिसी सेंटर के चीफ एग्जीक्यूटिव फेबियन जुलेग ने कहा कि अगर यूरोप एकजुट रहता है, तो वह ट्रंप को दिखा सकता है कि उनकी 'जैसे को तैसा' वाली जबरदस्ती की कीमत चुकानी पड़ेगी। पेरिस के कॉलमनिस्ट अलेक्जेंडर हर्स्ट के लिए, यूरोप के लिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अमेरिका के साथ 'संबंध तोड़ दे', जिसमें अमेरिका से अपने यूरोपियन मिलिटरी बेस छोड? के लिए कहना भी शामिल है। उत्तरी अमेरिका महाद्वीप का हिस्सा होने के बावजूद, ग्रीनलैंड 9वीं सदी से राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से यूरोप से जुड़ा हुआ है- खासकर दो औपनिवेशिक शक्तियों, नॉर्वे और डेनमार्क से।

24 से 26 जनवरी तक किया जाएगा उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। 24 से 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश दिवस 2026' समारोह की तैयारियों के संबंध गुरुवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलक्टरेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने निर्देश दिए कि प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति और उपलब्धियों को दर्शाने वाले इस समारोह को पूर्ण भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित किया जाए।

बैठक में डीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश दिवस 2026 का आयोजन ऑडिटोरियम भवन सोनेपुर में किया जाएगा। संपूर्ण आयोजन के दौरान मिलेट्स (मोटे अनाज) को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि कृषि विभाग द्वारा मिलेट्स के स्टॉल लगाए जाएं और मिलेट्स उत्पादों की बिक्री के लिए समर्पित कैंटीन की भी व्यवस्था की जाए। समारोह में मुख्य अतिथियों एवं आगंतुकों को जलपान में केवल मिलेट्स से बने व्यंजन ही परोसे जाएं तथा लाभार्थियों को वितरित किए जाने वाले लंच पैकेट भी मिलेट्स आधारित ही हों। उपायुक्त उद्योग को एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) से संबंधित स्टॉल अनिवार्य रूप से लगवाने को कहा। सख्त निर्देश दिए कि अतिथियों के स्वागत में ह्यबुकेह्य (फूलों के गुलदस्ते) का प्रयोग न करते हुए ओडीओपी से निर्मित उपहार ही भेंट करें। बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आमंत्रित किया जाएगा ताकि वह मंच के माध्यम से अपने कार्य अनुभव और सफलता की ह्यआपबीतीह्य साझा करें। सभी संबंधित विभागों को समय सीमा के भीतर प्रदर्शनी, स्टॉल लगाने और अपनी विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने को कहा। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी को ऑडिटोरियम के बाहर फॉर्म-6 की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा ताकि पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण मौके पर ही कराया जा सके। सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन में स्वच्छता, व्यवस्था और अनुशासन का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नेताजी की जयंती पर होगा मॉक ड्रिल का आयोजन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश दिवस-2026 और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर 23 जनवरी शुक्रवार की शाम छह बजे जिला मुख्यालय स्थित चित्रकूट इण्टर कॉलिज में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। वृहद हवाई हमले से बचाव के लिए आयोजित की जा रही ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में बैठक भी हुई।

बैठक में डीएम ने बताया कि मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य हवाई हमले जैसी आपातकालीन पस्थितियों में नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को परखना है। शुक्रवार की शाम छह बजे से आयोजित इस मॉकड्रिल में सबसे पहले हवाई हमले की चेतावनी के रूप में दो मिनट तक तेज आवाज में उतार-चढाव के साथ सायरन बजाया जाएगा तथा सायरन बजते ही निर्धारित क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बंद कर पूर्णतः ब्लैक आउट किया जाएगा। साथ ही नागरिकों को सुरक्षित स्थानों या शेल्टरों में शरण लेने का अभ्यास कराया जाएगा। इसके बाद खतरा समाप्त होने पर दो मिनट तक एक समान ऊंची आवाज में सायरन बजाया जाएगा, जिसके बाद जनजीवन सामान्य होगा। हमले के काल्पनिक परिदृश्य के बाद स्वयंसेवकों और फायर सर्विस द्वारा आग बुझाने, घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने और मलबे से लोगों को निकालने का अभ्यास किया जाएगा।

डीएम बताया कि नागरिक सुरक्षा के अंतर्गत हवाई हमलों के दौरान बचाव के लिए प्रस्तावित यह अभ्यास जनसुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी के उद्देश्य से किया जा रहा है। जो पूरे नगर क्षेत्र में शुक्रवार की शाम 06:00 से 06:10 तक प्रभावी होगी। डीएम ने जनपदवासियों से अपील की कि इस निर्धारित अवधि में सभी लोग कृपया अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों की सभी बाहरी एवं भीतरी प्रकाशीय उपकरण पूर्णतः बंद रखें, अनावश्यक वाहन आवागमन से बचें, वाहन चलाते समय हेडलाइट, फॉग लाइट अथवा तेज प्रकाश का प्रयोग न करें अथवा यथासंभव बंद रखें। कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा प्रशासन द्वारा जारी निदेशों का पालन करें। यह अभ्यास पूर्णतः मॉक ड्रिल है, अतः बिना घबराए इसे सफल बनाने में सहयोग करें।

बैंक में रुपए निकालने आई बुजुर्ग महिला की तबीयत बिगड़ी, मौत

चित्रकूट। चित्रकूट में यूपी ग्रामीण बैंक में गुरुवार को रुपए निकालने पहुंची एक बुजुर्ग महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला शिवरामपुर चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार तराव गांव निवासी पुनना देवी बैंक में रुपए निकालने पहुंची थीं। उन्होंने विड्रॉल फॉर्म जमा किया, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण उनका रुपए नहीं

निकल सका। सर्वर ठीक होने का इंतजार करते हुए वह बैंक के बाहर धूप में बैठ गईं। इसी दौरान कुछ देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। काफी समय तक कोई हलचल न होने पर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची शिवरामपुर पुलिस ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शिवरामपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी गांव के ग्राम प्रधान को दी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि पुनना देवी असहाय थीं और उनका कोई परिजन नहीं था। वह बैंक से अपने ही पैसे निकालने आई थीं।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनाया गया सहकार भारती का स्थापना दिवस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सहकार भारती संस्था का स्थापना दिवस गुरुवार को अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान रानीपुर भट्ट में मनाया गया। जिसमें सहकारिता के उद्देश्य की जानकारी देते हुए बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार त्रिपाठी ने संस्थापक स्व लक्ष्मण राव इनामदार के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्पार्चन कर कर उन्हें याद दिया। साथ ही संस्था के कार्य की जानकारी देते हुए युवा व किसान हितों के सम्बन्ध में चर्चा की। इस दौरान सम्मान समरोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें नवनिर्वाचित बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुशील मिश्रा, महासचिव शिवशरण त्रिपाठी, जॉइंट सेक्रेटरी एवं उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के नवनिर्वाचित अध्यक्ष योगेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित डीसीएफ अध्यक्ष योगेश जैन ने कहा कि सहकारिता का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है तथा उसे मुख्य धारा से जोड़ना है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामसागर चतुर्वेदी ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक रहने का मंत्र दिया। जिला महिला प्रमुख संजुला पांडेय ने महिलाओं को समूह बनाकर कार्य करने एवं सहकारिता को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर बल दिया। संस्था के सदस्य शंकर दयाल पयासी ने सहकारी समितियां को मजबूत करने के लिए लोगों को आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन प्रमुख सुशील द्विवेदी ने किया। इस मौके पर महिला सह प्रमुख ज्योति चतुर्वेदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक लोकेंद्र, विभाग संयोजक सारंग धर मिश्र, जिला महामंत्री कुलदीप सिंह, शिवमूरत दुबे, रामप्रकाश निषाद, दिवाकर सिंह, ओंकार सिंह, प्रांशू केशरवानी, शालू केशरवानी, रामसूरत निषाद, छोटका निषाद, बाबू निषाद, नत्थू प्रसाद आदि मौजूद रहे।

चित्रकूट में पाठा क्षेत्र की समस्याओं पर ज्ञापन

चित्रकूट। चित्रकूट के पाठा क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तत्वावधान में सैकड़ों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने विकास भवन से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च भी निकाला। ज्ञापन में पाठा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को उजागर किया गया। इनमें पेयजल की कमी, शिक्षा सुविधाओं का अभाव, बिजली आपूर्ति में बाधाएं, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और रोजगार के अवसरों की कमी शामिल हैं। बसपा युवा नेता रोहित सिंह पटेल के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में विशेष रूप से जल समस्या के स्थायी समाधान, डिग्री कॉलेज की स्थापना और अस्पतालों की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की गई। ग्रामीणों ने इन समस्याओं के तत्काल निराकरण की अपील की, ताकि पाठा क्षेत्र के निवासियों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

ओवरलोड ट्रक ने बुजुर्ग को रौंदा, मौत

चित्रकूट। चित्रकूट में गुरुवार को एक डंपर ने एक बुजुर्ग को रौंद दिया। जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पत्थर से लदे एक ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से यह दुर्घटना हुई। जिसके बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मामला भरतकूप थाना क्षेत्र का है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा शाम करीब 4:50 बजे हुआ। पत्थरों से लदा ट्रक असंतुलित होकर पलट गया, जिसकी चपेट में बच्ची जोगी नामक बुजुर्ग आ गए। ट्रक उन्हें लगभग 5 मीटर तक घसीटता चला गया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भरतकूप थाने के क्राइम इंस्पेक्टर अभय राज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। मृतक के परिजनों को सूचित किया।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों का आवागमन लगातार जारी रहता है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बना रहता है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।पुलिस ने फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। ट्रक की पहचान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तीन दिवसीय सदगुरु अंतर्राज्यीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की 30 से अधिक टीमें कर रही प्रतिस्पर्धा

चित्रकूट। जानकीकुंड में संचालित संस्थान श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं सद्गुरु मित्र मण्डल के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित सदगुरु अंतर्राज्यीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का भव्य शुभारंभ गुरुवार को किया गया। 22 से 24 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय अंतर्राज्यीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश की लगभग 30 टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में शिक्षा समिति की अध्यक्ष उषा जैन ने कहा कि सदगुरु वॉलीबॉल टूर्नामेंट की परंपरा लगभग 29 वर्षों से अधिक पुरानी है, जो खेल, सेवा और संस्कारों

के प्रति ट्रस्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को नशा, नकारात्मकता और भटकाव से दूर रखते हुए राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करते हैं। ट्रस्टी डॉ. इलेश कुमार जैन ने कहा कि वॉलीबॉल जैसे खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास भी विकसित करते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान निष्पक्ष खेल, अनुशासन और खेल भावना को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया गया।

इस मौके पर जिला खेल अधिकारी अनुराग सोनकर, मुख्य रेफरी एवं प्राचार्य डॉ तुषारकांत शास्त्री, शंकर दयाल पाण्डेय, सुरेन्द्र तिवारी, राकेश तिवारी, दीपन वाणी, मंजुला वाणी, फिरोज खान, सचिव आर. बी. सिंह चैहान, उपाध्यक्ष अनुभा अग्रवाल, अंजलि भटनागर आदि मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ पर सनातन प्रेमियों ने निकाली शोभायात्रा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अयोध्या के श्री राम मंदिर निर्माण की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरुवार को धर्मनगरी में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राम के जयकारे लगाते हुए नगर भ्रमण किया।

यात्रा संयोजक युवा नेता प्रियांशु मिश्रा ने बताया कि लगभग 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर का निर्माण हुआ है। सनातन धर्म के लिए इस गौरवशाली पर्व को यादगार बनाने के लिए इस शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। जिला मुख्यालय के शंकर बाजार गल्ला मंडी गेट से निकली इस शोभायात्रा का समापन पुरानी बाजार के धुस मैदान में हुआ। इस दौरान रास्ते में शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। युवा व्यापारी विनोद प्रिंस केशरवानी भी अपनी टीम के साथ इस शोभा यात्रा में शामिल हुए। बस स्टैंड में समाजसेवी रामबाबू गुप्ता ने शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की। इस मौके पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा हीरो, भाजपा के जिला महामंत्री अश्वनी अवस्थी, भौंरी के समाजसेवी इन्द्रेश मिश्रा, अभिषेक ओझा, सुखेन्द्र सिंह, रोहन शुक्ला, विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष रवि सिंह बघेल, मातृशक्ति जिलाध्यक्ष तृप्ति तिवारी, युवा समाजसेवी देवेंन्द्र द्विवेदी, वीरेन्द्र पांडेय, शानू गुप्ता, सिद्धार्थ मिश्रा, रचना पांडेय, विनीता द्विवेदी, सुबोध सिंह, विमल त्रिपाठी, मनीष कुमार, गीता सिंह, प्रियंका साहू, शोभना पांडेय, खुशबू सिंह, संतोषी आदि सैकडों रामभक्त मौजूद रहे।

हिंद महासागर में अमेरिकी 'परमाणु किले' डियागो गार्सिया पर बवाल, ट्रंप ने UK पर उठाए सवाल

यूरोप

ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भड़काऊ रवैये की आग अब हिंद महासागर तक फैल रही है। अचानक रुख बदलते हुए, मॉरीशस को डिएगो गार्सिया द्वीप लौटाने के ब्रिटेन के फैसले पर सवाल उठाया गया, जहां एक अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है। भारत ने ब्रिटेन-मॉरीशस समझौते का समर्थन किया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा हैरान करने वाली बात यह है कि हमारा 'शानदार' नाटो सहयोगी, ब्रिटेन, बिना किसी कारण के डिएगो गार्सिया द्वीप, जहां एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थित है, मॉरीशस को सौंपने की योजना बना रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि चीन और रूस ने कमजोरी के इस कृत्य को देखा है। उन्होंने इसे ग्रीनलैंड पर अपने कब्जे की

कोशिश से जोड़ा।

ब्रिटेन द्वारा अत्यंत महत्वपूर्ण भूमि को सौंपना घोर मूर्खता है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के उन कई कारणों में से एक है जिनके चलते ग्रीनलैंड को हासिल करना आवश्यक है। डेनमार्क और उसके यूरोपीय सहयोगियों को सही काम करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय शक्तियां केवल ताकत को पहचानती हैं, यही कारण है कि मेरे नेतृत्व में संयुक्त राज्य अमेरिका को अब, केवल एक वर्ष में पहले से कहीं अधिक सम्मान प्राप्त है। ट्रम्प ने भारत का जिक्र नहीं किया, जिसके हिंद महासागर में चीन के संबंध में गहरे सुरक्षा हित हैं और जिसने ब्रिटेन को - जो 1965 से ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) के हिस्से के रूप में डिएगो गार्सिया का स्वामित्व और प्रशासन करता रहा है। द्वीप के सही मालिक मॉरीशस को संप्रभुता वापस हस्तांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करने में एक शांत भूमिका निभाई है।

ब्रिटेन और मॉरीशस ने दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए पिछले मई में आधिकारिक तौर पर एक संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसमें मॉरीशस को डिएगो गार्सिया सहित संपूर्ण चागोस द्वीपसमूह का संप्रभु स्वामी घोषित किया गया। यह संधि वर्तमान में ब्रिटिश संसद में अनुसमर्थन के चरण में है, जिससे प्रभावी रूप से "विऔपनिवेशीकरण" की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसके लिए भारत के समर्थन से मॉरीशस लंबे समय से संघर्ष कर रहा है।

नई दिल्ली के लिए, वाशिंगटन के साथ कुछ ऐतिहासिक विवाद भी जुड़े हैं। डिएगो गार्सिया में एक पूर्ण सैन्य अड्डा स्थापित करने का अमेरिकी निर्णय निक्सन प्रशासन द्वारा लिया गया था, जिसने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान भारत को डराने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक नौसैनिक बल तैनात किया था। भारत ने अमेरिका को चुनौती दी और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के चंगुल से बांग्लादेश को मुक्त कराया, परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत यूएसएस एंटरप्राइज के आगमन से पहले, जो उस समय दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली युद्धपोत था।

अमेरिका के खिलाफ मैक्रों ने खोला मोर्चा

फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को संयुक्त राज्य अमेरिका की व्यापारिक नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वाशिंगटन की टैरिफ संबंधी धमकियां खुले तौर पर यूरोप को कमजोर और अधीन करने का लक्ष्य रखती हैं और क्षेत्रीय संप्रभुता के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने के सुझाव की ओर एक अप्रत्यक्ष इशारा था। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के 56वें ??वार्षिक शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान, मैक्रों ने सुरक्षा, रक्षा और आर्थिक क्षेत्रों में बढ़ती वैश्विक अस्थिरता और असंतुलन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हम सुरक्षा, रक्षा और आर्थिक, तीनों ही दृष्टिकोणों से अस्थिरता और असंतुलन के दौर में प्रवेश कर रहे हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की कि सामूहिक शासन के अभाव में वैश्विक प्रतिस्पर्धा अथक होती जा रही है। उन्होंने यूरोपीय व्यापार हितों को कमजोर करने, अधिकतम रियायतें मांगने और नए टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी व्यापार नीतियों की आलोचना करते हुए ऐसी प्रथाओं को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। मैक्रों ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से चिंताजनक समय है क्योंकि हम स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक परिप्रेक्ष्य खो रहे हैं। सामूहिक शासन के अभाव में सहयोग की जगह अथक प्रतिस्पर्धा ले लेती है। व्यापार समझौतों के माध्यम से अमेरिका से प्रतिस्पर्धा हमारे व्यापार हितों को कमजोर करती है, अधिकतम रियायतें मांगती है और खुले तौर पर यूरोप को कमजोर और अधीन करने का लक्ष्य रखती है, साथ ही नए टैरिफ का अंतहीन संचय पूरी तरह से अस्वीकार्य है - विशेष रूप से जब इनका उपयोग क्षेत्रीय संप्रभुता के विरुद्ध एक हथियार के रूप में किया जाता है। उन्होंने बढ़ती हिंसा और 2024 की तुलना में युद्धों की संख्या का हवाला देते हुए वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र की बजाय तानाशाही की चेतावनी दी। उन्होंने यह भी कहा कि इनमें से कुछ युद्ध सुलझा लिए गए, जो ट्रंप के आठ युद्धों को समाप्त करने के बार-बार किए गए दावों का संदर्भ था। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र की बजाय तानाशाही की ओर रुझान बढ़ रहा है।

ग्रीनलैंड के साथ कनाडा-वेनेजुएला पर अमेरिकी झंडा, ट्रंप ने नए पोस्ट ने मचाया हड़कंप!

ग्रीनलैंड

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की, जिसमें वे अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ हैं और अमेरिकी ध्वज में कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को संयुक्त राज्य अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया है। तस्वीर में ट्रम्प ओवल ऑफिस में बैठे हुए हैं, उनके साथ नाटो के नेता भी हैं, जिनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, इटली की जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हैं। एक पोस्ट में ट्रंप को उपराष्ट्रपति जेडी वैंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ ग्रीनलैंड में अमेरिकी ध्वज फहराते हुए देखा जा सकता है, जिस पर एक माइलस्टोन लगा है जिस पर लिखा है, ग्रीनलैंड अमेरिकी क्षेत्र, स्थापना 2026।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद, ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण अमेरिकी देश को तब तक अपने अधीन रखेगा जब तक कि हम एक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं कर लेते। बाद में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने 8 जनवरी को इस रुख को दोहराते हुए कहा ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। जाहिर है, इस समय वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों पर हमारा पूरा प्रभाव है... उनके फैसले संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्देशित होते रहेंगे। पिछले साल ट्रंप ने सुझाव दिया था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बने। चुनाव जीतने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मई में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप के इस सुझाव को सिरे से खारिज कर दिया था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य बने। उन्होंने कहा था, इच्छाओं और वास्तविकता में अंतर करना महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे से टेलीफोन पर बातचीत की और कहा कि वे दावोस में कई पक्षों से मिलेंगे। उन्होंने ग्रीनलैंड पर अपने रुख को दोहराते हुए इसे अमेरिकी और विश्व सुरक्षा के लिए अभिन्न अंग बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अर्ध-स्वायत्त डेनिश क्षेत्र ग्रीनलैंड को अधिग्रहित करने के कदम के बाद बढ़ते तनाव के बीच, उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड द्वारा यह कहे जाने के कुछ घंटों बाद ट्रंप का यह बयान आया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रीनलैंड के एक महत्वपूर्ण सैन्य अड्डे पर विमान तैनात करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

200% टैरिफ लगा दूंगा...मैक्रों की 'ना' सुनकर बुरी तरह बौखलाए ट्रंप

फ्रांस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर इमैनुएल मैक्रों ने गाजा के लिए प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने का उनका निमंत्रण ठुकरा दिया, तो वे फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। रिपब्लिकन पार्टी के प्रमुख ने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

यह दावा करते हुए कि कोई भी फ्रांसीसी राष्ट्रपति को नहीं चाहता

क्योंकि वह बहुत जल्द पद छोड़ देंगे, ट्रंप ने कहा कि वह फ्रांस की वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। ब्लूमबर्ग ने ट्रंप के हवाले से बताया मैं उनकी वाइन और शैंपेन पर 200% टैरिफ लगाऊंगा और वह भी इसमें शामिल होंगे।

तेजी से बूढ़ा हो रहा चीन, 40 लाख घटी आबादी

चीन

सरकार द्वारा जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाओं के बावजूद, चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई और 2025 में जन्म दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई।

जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश की जन्म दर गिरकर 5.63 प्रति 1,000 व्यक्ति हो गई झ जो 1949 में कम्युनिस्ट पार्टी के सत्ता में आने के बाद से अब तक का सबसे निचला स्तर है, जबकि मृत्यु दर बढ़कर 8.04 प्रति 1,000 व्यक्ति हो गई, जो 1968 के बाद से उच्चतम स्तर है।

2025 के अंत तक इसकी जनसंख्या 3.39 मिलियन घटकर 1.4 बिलियन हो गई, जो

पिछले वर्ष की तुलना में अधिक तेजी से घटी है। वृद्धावस्था से जूझ रही जनसंख्या और सुस्त अर्थव्यवस्था के कारण, बीजिंग युवाओं को विवाह करने और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। चीन की आबादी लगातार चौथे साल घटी है। साल 2025 में यह 33.9 लाख घटकर 1.4 अरब रह गई। पीढ़ियों तक 'एक बच्चा नीति' के जरिये आबादी सीमित रखने के बाद अब चीन के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए राजी करना है। कभी दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा चीन अब भारत के बाद दूसरी बड़ी आबादी वाला देश है। फिर भी उसकी कुल जनसंख्या लगातार घट रही है।

76 साल में सबसे कम जन्म दर

2025 में 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, 2024 में 95.4 लाख जन्मे थे, जन्मदर 1000 पर 5.63 रही, जो 1949 में चीन की स्थापना के बाद सबसे कम है।

2100 तक आधी आबादी बूढ़ी होगी

2025 के अंत में 60+ आबादी 32.3 करोड़ थी, जो कुल आबादी का 23% हैं। ये 2035 तक 40 करोड़, 2100 तक आधी आबादी इस दायरे में होगी।

ट्रंप के लिए आखिरी भूल साबित होगा ग्रीनलैंड?

अमेरिका

मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव प्रचार की शुरूआत की थी। इसे अमेरिका के लोगों ने हाथों-हाथ लिया नतीजन डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी के राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। इसके बाद ट्रंप की तरफ से मेक ईरान ग्रेट अगेन और न जाने कितने ऐसे नारे दिए गए। लेकिन इन दिनों इससे मिलता-जुलता नारा एक देश में जोर-शोर से गूंज रहा है, जिसे सुनकर ट्रंप को अच्छा तो कतई नहीं लगेगा। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से लगातार ग्रीनलैंड को लेकर धमकियाँ दे रहे हैं, तब से वहाँ के लोगों के बीच मेक अमेरिका गो अवे का नया नारा जोर पकड़ने लगा है। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड अमेरिका की सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह आर्कटिक क्षेत्र में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जगह पर स्थित है और वहाँ खनिज संसाधनों की भी भरपूर संभावना है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने दबाव बनाने के लिए यूरोपीय देशों पर टैरिफ (शुल्क) लगाने की धमकी भी दी है।

भारत ने बांग्लादेश से राजदूत के परिवार को वापस बुलाया, कुछ बड़ा होने वाला है?

बांग्लादेश

बांग्लादेश में कुछ बड़ा होने वाला है। जिसकी भनक भारत को लगते ही ताबड़तोड़ एक्शन शुरू हो चुका है। जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा के रख दी है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब भारत के खिलाफ कौन सी साजिश रच रहे हैं जिसकी पोल खुलते ही भारत ने अपनी तैयारियों को पूरा कर लिया है। बांग्लादेश में चुनाव होने में बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है। जिस चुनाव को टालने के लिए यूनुस ने बांग्लादेश को आग में झोंका। हर पैतरे अपनाए। कट्टरपंथियों की फौज को भारत के खिलाफ खड़ा कर दिया ताकि वह बांग्लादेश की कुर्सी में बैठे हुए चीन पाकिस्तान से अपने रिश्तों को मजबूत बनाए रखें और यह

चुनाव ना हो पर सब कुछ धरा का धरा रह गया और अब चुनाव की सुगबुगाहट के बीच में भारत ने वो एक्शन लिया है। बांग्लादेश में जिसने यूनुस को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने बांग्लादेश को नॉन फैमिली यानी परिवार के साथ ना भेजे जाने वाले राजनयिक तैनाती स्थल के रूप में दर्ज करने का फैसला ले लिया है। इसका मतलब यह है कि बांग्लादेश में तैनात किए जाने वाले भारतीय राजनयिक और अधिकारी अब अपने पति या फिर पत्नी या फिर अपने बच्चों के साथ या फिर अपने परिवार के साथ उन्हें बांग्लादेश नहीं ले जा सकेंगे। अब तक भारतीय विदेश मंत्रालय ने नॉन फैमिली की यह श्रेणी सिर्फ कुछ ही देशों पर लागू की थी जिसमें इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दक्षिण सूडान शामिल है। इस ताजा फैसले के बाद बांग्लादेश को भी इसी सूची में शामिल कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक यह फैसला 1 जनवरी से लागू हो गया है।

बांग्लादेश में तैनात भारतीय अधिकारियों को सूचित किया गया कि उनके पति या फिर पत्नी और बच्चों को 8 जनवरी तक भारत लौटना होगा। जिन अधिकारियों के बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं उन्हें इसके लिए अतिरिक्त 7 दिन का समय भी दिया गया था। जिसके परिणाम स्वरूप पिछले गुरुवार यानी कि 15 जनवरी तक ढाका, चटगांव, खुलना, सिलहट और राजशाही में स्थित भारतीय मिशनों में तैनात अधिकारियों के परिवारों को बेहद कम समय के नोटिस पर भारत लौटना पड़ा है। हालांकि बता दें कि भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस फैसले को लेकर कोई भी सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। भारत के इस फैसले से बांग्लादेश में कैसे भूचाल ला दिया है और कैसे एक तीर से कई निशाने भेद कर दिए गए हैं। पहला यूनुस की साजिश को पूरी तरीके से फ्लॉप कर दिया गया है ।

मोदी को बुरा फंसा रहे थे ट्रंप, अमेरिका पर टूट पड़ा इजरायल!

अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप इंतनो खुद को दुनिया का सबसे बड़ा सरपंच मान रहे हैं। इसलिए तो वह दुनिया भर के झगड़ों में टांग अड़ा रहे हैं। भले ही कई देशों के बीच जंग रुकवाने का दावा करने वाले ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार पाने की लालसा में खुद को शांतिदूत घोषित कर रहे हो लेकिन सच यह है कि जैसी उनकी हरकतें हैं उसके हिसाब से वह शांतिदूत कम हिटलर ज्यादा लग रहे हैं। वैसे तो ट्रंप ने अपनी दादागिरी और कब्जे वाले नीति से दुनिया भर में बवाल मचाया हुआ है। लेकिन अब ट्रंप गाजा बोर्ड ऑफ पीस को लेकर सुर्खियों में है। ट्रंप ने इस बोर्ड का ऐलान गाजा में चीजों को पटरी पर लाने के लिए किया है। ट्रंप के हिसाब से यह बोर्ड इजराइल हमास युद्ध को पूरी तरह से समाप्त कर देगा। साथ ही गाजा के रोजमर्रा के मामलों को संभालने के लिए एक तकनीकी समिति का ऑब्जरवेशन करेगा और वहां के पुनर्निर्माण के लिए स्ट्रेटजी बनाएगा।

ट्रंप ने भारत को भी गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए न्योता दिया है। जिसको लेकर तमाम तरह की चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि ट्रंप भारत को इस बोर्ड में शामिल करके पीएम मोदी को फंसाना चाहते हैं। दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप आए दिन ऐसे एजेंडे लेकर सामने आते रहते हैं जो भले ही दुनिया भर के देशों की नीतियों के खिलाफ हो लेकिन उसमें उनका हित सबसे ऊपर होता है। ऐसा ही कुछ उनकी ओर से गाजा के पुनर्निर्माण के लिए बनाए जा रहे शांति बोर्ड में भी दिख रहा है। गाजा शांति के नाम पर दुनिया भर में वाहवाही बटोरने और आर्थिक लाभ पाने की दुकान चलाने के मकसद से ट्रंप ने शांति बोर्ड का ऐलान किया है। ट्रंप के इस बोर्ड ऑफ पीस के मेंबर देशों को $1 अरब डॉलर यानी कि करीब ?9000 करोड़ देने होंगे। जिससे साफ है कि ट्रंप का यह बोर्ड गाजा में शांति कम बल्कि उनकी कमाई का जरिया लग रहा है। इतनी भारी भरकम फीस को देखकर कनाडा और फ्रांस ने तो इसमें शामिल ना होने का इशारा कर दिया है। तो व इस शांति बोर्ड का भारत को मेंबर बनाकर ट्रंप पीएम मोदी को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। जिस गाजा के पुनर्निर्माण के लिए ट्रंप ने यह बोर्ड बनाया

है, उसी गांजा के आतंकी पीओके में मुनीर के जिहादियों से हाथ मिलाकर भारत के खिलाफ साजिशें रच रहे हैं। क्योंकि इजराइल ने हमास के आतंकियों को गाजा छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसे में बचे कुचे हमास के आतंकियों ने अब पाकिस्तान में शरण ले ली है। अगर भारत हमास की आर्थिक मदद करता है तो पाकिस्तान पहुंचे आतंकी फिर से गाजा में आएंगे और अपनी आतंकी जमीन को मजबूत करके भारत के साथी उसके दोस्त इजराइल को भी नुकसान पहुंचाएंगे। ऐसे में भारत को सोच समझकर ट्रंप के शांति बोर्ड पर फैसला लेना पड़ेगा। ट्रंप के इस ट्रैप में खुद को और भारत को फंसता देखकर इजराइल भड़क उठा है। बोर्ड को इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने इजराइल की सरकारी नीति के खिलाफ बताया है। इजराइल का कहना है कि बोर्ड की घोषणा को लेकर उससे बात नहीं की गई। बोर्ड में आतंकी मुल्क पाकिस्तान, तुर्की और कतर को शामिल किए जाने को लेकर भी इजराइल ने कड़ी आपत्ति जताई है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा